# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती बड़े हर्षोल्लास के ..... पेज: 7

सामंथा रुथ प्रभु की 'मां इंटी बंगारम... पेज: 8



वर्ष : 02 | अंक : 40 | सोमवार 11 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


## सुप्रिया सुले की कार को दूसरे वाहन ने बगल से टक्कर मारी, बाल-बाल बचीं, सभी लोग सुरक्षित

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले शनिवार को एक सड़क हादसे का शिकार होने से बाल-बाल

बच गईं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी कार को बगल से टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस घटना में सुप्रिया सुले और उनके साथ मौजूद सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस भयावह अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पुणे से मुंबई आते समय गुजरात पंजीकरण नंबर वाले एक वाहन ने लापरवाही से उनकी कार को टक्कर मारी। उन्होंने वाहन की नंबर प्लेट साझा करते हुए ड्राइवरों से सीट बेल्ट पहनने और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने की अपील की। उन्होंने कहा, तेज गति और लापरवाही जानलेवा हो सकती है, यह घटना हम सभी के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

**राज्यसभा नहीं जाएंगे जय पवार**

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार ने राज्यसभा जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी मां वर्ष 2029 में मुख्यमंत्री पद की दावेदार होंगी।मीडिया से बातचीत में जय पवार ने कहा कि वह राज्यसभा नहीं जाएंगे और बारामती में रहकर लोगों के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, बारामती के लोग और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यकर्ता चाहते थे कि अजित पवार मुख्यमंत्री बनें, लेकिन उनके आकस्मिक निधन के कारण यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। अब कार्यकर्ताओं और लोगों को उम्मीद है कि सुनेत्रा पवार मुख्यमंत्री बनकर अजित दादा की इच्छा पूरी करेंगी।

## झारखंड के शराब घोटाले की जांच रही बेनतीजा, जमानत पर रिहा हुए सभी आरोपी

रांची(एजेंसी)। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को एक साल पूरा होने वाला है, लेकिन जांच अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। 20 मई 2025 को दर्ज हुई इस प्राथमिकी के बाद एसीबी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एजेंसी ने पिछले एक साल के दौरान निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे समेत 17 रसूखदार अधिकारियों और शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल तो भेजा, लेकिन समय पर उनके विरुद्ध आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल करने में विफल रही। एसीबी की इस सुस्ती का सीधा लाभ आरोपितों को मिला और एक-एक कर लगभग सभी आरोपित डिफॉल्ट बेल पाकर जेल से बाहर आ गए। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि एसीबी ने गिरफ्तारी के समय जितनी तत्परता दिखाई थी, उतनी ही उदासीनता चार्जशीट दाखिल करने में बरती गई। एजेंसी के अधिकारियों ने दलील दी कि उनकी तैयारी पूरी नहीं थी, जिसके कारण निर्धारित समय सीमा के भीतर कानूनी दस्तावेज अदालत में पेश नहीं किए जा सके। गौरतलब है कि 20 मई 2025 को कार्रवाई शुरू करते हुए एसीबी ने सबसे पहले तत्कालीन आईएएस विनय कुमार चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह और प्लेसमेंट एजेंसी के नीरज कुमार को सलाखों के पीछे भेजा था। उस समय अदालत में दावा किया गया था कि अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। हालांकि, इन दावों के बावजूद जांच एजेंसी कानूनी प्रक्रिया को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाई। फिलहाल, विनय कुमार चौबे एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि सिंडिकेट के बाकी सभी सदस्य बाहर आ चुके हैं। यह पूरा घोटाला वर्ष 2022 की नई उत्पाद नीति से जुड़ा है। आरोप है कि छत्तीसगढ़ के शराब सिंडिकेट के साथ मिलकर नियमों में मनमाना बदलाव किया गया और फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर चहेती प्लेसमेंट एजेंसियों को मैनपावर सप्लाई का ठेका दिया गया। शुरुआती जांच में यह घोटाला 38 करोड़ रुपये का बताया गया था, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, इसके 750 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया। आरोप है कि इस पूरी साजिश से राज्य के खजाने को भारी चपत लगी और निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। अब एक साल बीतने के बाद भी एसीबी की चार्जशीट का इंतजार जारी है।

## एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट में मां और दो बेटियों की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के ब्यावर जिले में रविवार को एलपीजी सिलेंडर में गैस लीकेज से हुए धमाके में एक महिला और उसकी दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रायपुर मारवाड़ उपखंड क्षेत्र के कानचा उड़ावता गांव में हुआ। जानकारी के अनुसार, महिला सुबह चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। जैसे ही उसने गैस चालू की, लीकेज के कारण अचानक आग भड़क उठी और जोरदार धमाका हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि महिला और दोनों बच्चियां बाहर नहीं निकल सकीं। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक रसोई पूरी तरह जल चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सिलेंडर से गैस रिसाव को हादसे की वजह माना जा रहा है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

## सिद्धार्थनगर में जहरीला हुआ सरसों तेल, 28 में से 22 नमूने फेल, सेहत से खिलवाड़ का बड़ा खुलासा

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। जिले में रसोई के सबसे अनिवार्य हिस्से, सरसों तेल की शुद्धता को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गई हालिया जांच में सरसों तेल के 28 नमूनों में से 22 नमूने फेल पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जांचे गए नमूनों में से छह में लेबलिंग की खामियां मिलीं, जबकि अन्य नमूनों में सीधे तौर पर मिलावट की पुष्टि हुई है। यह स्थिति जिले के लाखों उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है। विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के 25 नमूनों के साथ पिछले वर्ष के तीन लंबित नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक की है। तकनीकी जांच में कई नमूनों की आयोडीन, सपोनिफिकेशन और रेंसी वैल्यू तय मानकों से काफी अधिक मिली है। विशेष रूप से बांसी कस्बे से लिए गए एक नमूने में आयोडीन वैल्यू खतरनाक स्तर पर पाई गई। जानकारों का कहना है कि तेल के मानकों में इस तरह की गिरावट सेहत के लिए बेहद हानिकारक हो सकती है। जिले में सरसों का स्थानीय उत्पादन कम होने के कारण लगभग 95 प्रतिशत आबादी बाजार के ब्रांडेड और खुले तेल पर निर्भर है।

# हम दुनिया को दिखाएंगे सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं

### -टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनी कीर्तना ने बोली फर्राटेदार हिंदी

**चेन्नई (एजेंसी)।** विजय ने जिस दिन सीएम पद की शपथ ली, उसी दिन एस कीर्तना ने तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ली। वह नवगठित मंत्रिमंडल में शामिल 9 मंत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने रविवार सुबह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एन आनंद, आधव अर्जुन, के ए सेंगोत्तैयान, पी वेंकटरमनन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, टी के प्रभु और के जी अनुराज के साथ शपथ ग्रहण की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण करने के बाद कीर्तना ने कहा कि तमिलनाडु की नई सरकार शासन में एक मिसाल कायम करेगी। उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है क्योंकि किसी अन्य राज्य में इस तरह का कैबिनेट मंत्री नहीं होगा। कोई हमें ऐसा मौका नहीं देगा। हम दुनिया को दिखाएंगे कि हम सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं। कीर्तना शिवकाशी से नवनिर्वाचित विधायक हैं, जिसे अक्सर भारत की आतिशबाजी राजधानी कहा जाता

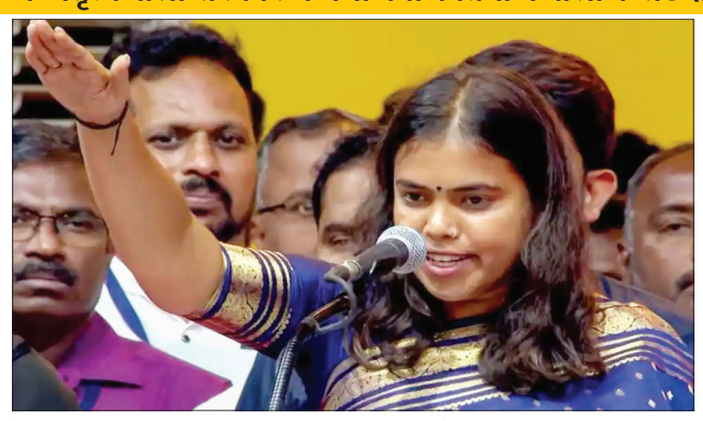

है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कीर्तना 29 साल की आयु में मंत्रिमंडल की सबसे युवा सदस्य हैं। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में 11,697 वोटों के अंतर से शिवकाशी सीट जीती। वह विजय के मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला हैं और शिवकाशी से पहली महिला विधायक हैं, जिन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र में करीब सात दशकों के पुरुष वर्चस्व को खत्म किया है।

कई भाषाओं में धाराप्रवाह बोलने वाली कीर्थना ने हिंदी पर अपनी मजबूत पकड़ के लिए ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अपने भाषण में फर्राटेदार हिंदी बोली। विशेष रूप से तमिलनाडु में, जहां भाषा एक संवेदनशील और राजनीतिक रूप से अहम मुद्दा बनी हुई है। विजय ने रविवार को तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। विजय ने जनता को उनके जनादेश के लिए धन्यवाद दिया और धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित सरकार बनाने के लिए एकजुट प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे एक साधारण व्यक्ति हैं जो झूठे वादों से बचेंगे और केवल उन्हीं कार्यों को पूरा करेंगे जो संभव हैं।

## शेख हसीना ने बंगाल के सीएम सुवेंदु को दी बधाई, कहा-मित्रता और संबंध होंगे मजबूत

जम्मू (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सीएम के रूप में शपथ लेने वाले सुवेंदु अधिकारी को बधाई दी। बांग्लादेश अवामी लीग ने भी एक पत्र साझा कर अधिकारी को बधाई दी। पत्र में अवामी लीग पार्टी ने अपने संदेश में, उन्होंने पश्चिम बंगाल के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। शेख हसीना ने आशा व्यक्त की कि उनके सक्षम नेतृत्व में पश्चिम बंगाल का विकास और भी तीव्र होगा और बांग्लादेश और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रता और सहयोग के संबंध और मजबूत होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में आगे कहा गया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों और जनता के निरंतर समृद्धि और खुशहाली की भी कामना की। सुवेंदु अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के साथ हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर शानदार जीत हासिल की और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत किया। वहीं तृणमूल ने 80 सीटें जीतीं।

## केरल में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए रार

### -दिल्ली में शुरु हुआ मंथन, टटोला जा रहा है मन

**तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।** केरल में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के 10 साल के शासन को उखाड़ फेंकने के बाद कांग्रेस गठबंधन (यूडीएफ) सत्ता में वापसी तो कर चुका है, लेकिन पार्टी के भीतर जश्न से ज्यादा मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद के लिए तीन दिग्गजों-वीडी सतीसन, रमेश चेन्नितला और केसी वेणुगोपाल के बीच छिड़ी यह जंग अब सड़कों तक पहुंच गई है। शनिवार को केरल कांग्रेस के तमाम बड़े नेता दिल्ली में डेरा डाले रहे, जहां आलाकमान के साथ बैठकों का दौर जारी रहा। माना जा रहा है कि अगले 24 घंटों में केरल के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग जाएगी।

सत्ता की यह होड़ उस समय विवादित हो गई जब तिरुवनंतपुरम से लेकर इडुक्की तक समर्थकों ने अपने-अपने पसंदीदा नेताओं के पक्ष में पोस्टर युद्ध छेड़ दिया। इडुक्की में दिवंगत नेता ओमान चांडी और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल की तस्वीर वाले फ्लेक्स बोर्ड को फाड़कर उस पर कालिख पोत दी गई, जिसकी कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन और पीजे कुरियन ने कड़ी निंदा की है। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि दबाव की राजनीति से नेतृत्व तय नहीं किया जा सकता। दावेदारों की बात करें तो निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन को एलडीएफ के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए जाना जाता है और उन्हें मुस्लिम लीग का भी समर्थन प्राप्त है। दूसरी ओर, रमेश चेन्नितला की संगठन पर मजबूत पकड़ है और उन्हें सोनिया गांधी का करीबी माना जाता है। वहीं, केसी वेणुगोपाल राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेहद भरोसेमंद हैं, हालांकि उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। इनके साथ ही तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर का नाम भी चर्चा में है, जिन्होंने हाल ही में पार्टी अध्यक्ष से मुलाकात कर राज्य की स्थिति पर फीडबैक दिया है। चयन प्रक्रिया के तहत एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने विधायकों की व्यक्तिगत राय लेकर रिपोर्ट मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दी है। शनिवार को खड़गे के आवास पर हुई अहम बैठक में गठबंधन के साथियों, विशेषकर मुस्लिम लीग की पसंद पर भी विचार किया गया। वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने स्पष्ट किया कि केवल वरिष्ठता ही नहीं, बल्कि सहयोगियों की राय भी इस फैसले में महत्वपूर्ण होगी। अब सबकी निगाहें राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, ताकि नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले पार्टी की गुटबाजी को शांत किया जा सके।

# अब एक और आप विधायक विवादों में, युवक ने लगाए नौकरी का झांसा देकर पैसे लेने के आरोप

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** लुधियाना से आम आदमी पार्टी के विधायक अशोक कुमार पाराशर विवादों में घिरते हुए नजर आ रहे हैं। फर्जी नौकरियों के लगे आरोपों में घिरा युवक निखिल सभ्रवाल मीडिया के सामने आया। निखिल ने बताया कि उसके ऊपर गलत आरोप लगाए गए हैं। जबकि नौकरियों का झांसा देकर लोगों को जितने भी पैसे लिए जाते थे वह विधायक पाराशर को दिए जाते थे।

मीडिया के सामने आए निखिल ने बताया कि जब उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया तो उसे मजबूरन मीडिया के सामने आना पड़ा। उसे नकली पीए बोलकर 2 साल बाद मामला दर्ज करवा दिया गया है। विधायक उसे 13 हजार रुपए देते थे। जितने भी उलटे सीधे काम होते थे उससे करवाते थे। जेब खर्च पानी के लिए 5-6 हजार देते थे।

निखिल ने कहा कि क्या पहले ये लोग सो रहे थे, अब इन्हें याद आ गई। मेरे उपर आरोप लगाए गए हैं, नकली पीए है। उसने कहा कि मेरा आईडी कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक और इंस्टाग्राम चेक कर सकते हैं। मेरी वीडियो और तस्वीरें चेक कर लें। युवक ने कहा कि वह अशोक पाराशर पप्पी का पीए है। उसका आफिस इंचार्ज का आईकार्ड बना हुआ है। जब 2022 में वह विधायक बने तब से उनके साथ काम कर रहा हूं। उसे प्राइवेट रखा हुआ था। युवक निखिल ने बताया कि, विधायक के दफ्तर का सारा काम वह

करता था। सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक वह दफ्तर में ही काम करता था।

निखिल ने आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों को नौकरियां देने का झांसा देकर 1.70 लाख रुपए लिए जिन्हें विधायक को दिए। ये रकम इतनी ही नहीं बल्कि 80-90 करोड़ों रुपए से ज्यादा तक जाएगी। अभी तो सिर्फ 2 लोग ही सामने आए हैं, जिससे ये मामला सामने आया। डीसी रेट की भर्ती के लिए एक लाख रुपए लेने के लिए कहा जाता था। किसी व्यक्ति से 90 हजार रुपए लेकर 10 हजार निखिल खुद रखता था। उसके रिश्तेदार भी फंस गए। निखिल ने बताया कि उसके पिता की मौत 2022 में हो गई है, उसके परिवार में उसकी मां, दादी, और बहन है। जिन लोगों को नौकरी की बात का झांसा दिया उनमें उसके परिवार के लोग भी शामिल है। युवक ने कहा कि, विधायक के कारण उसका अपना घर बिक गया।

निखिल ने कहा कि हर बार उसे कहा जाता था कि, तेरा काम सही है हमारे साथ रहेगा तो आगे तक जाएगा। चुनावों के दौरान प्रचार दौरान जितने भी पेमेंट गई उसके बिल पड़े हैं। इसके अलावा उसके पास बैंक खातों के स्टेटमेंट भी है। निखिल ने कहा आने वाले समय में सभी सबूत दिखा दूंगा। उसने अपना आईडी कार्ड दिखाते हुए कहा कि वह नकली पीए नहीं है। उसकी सोशल मीडिया पर निखिल सभ्रवाल की आईडी है। कोई भी विधायक ऐसे ही किसी को अपनी कुर्सी पर नहीं बैठाता। किसी व्यक्ति ने मेरी शिकायत करवा दी, कि ये विधायक पाराशर का पीए है। युवक ने बताया कि उसकी 2 नंबर थाने में शिकायत दी गई। थाने का टीएसपी भनोट विधायक पाराशर का खास दोस्त है। शिकायत मिलने पर उसने विधायक को फोन कर दिया कि, आपके खिलाफ शिकायत मिली है। इसके बाद विधायक ने कहा कि इसके खिलाफ मामला दर्ज कर लो नहीं तो मैं फंस जाऊंगा।

इसके बाद निखिल 2 महीने दुबई चला गया, लेकिन इस दौरान उसके परिवार वालों को तंग किया जाता था। उसके घर में अलग-अलग थाने की पुलिस आती थी। इस बात से परेशान होकर वह वापस आया है। और लोगों को सच्चाई बताई। प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच सीबीआई और होम मिनिस्टर, ईडी से जांच करवाई जाए। क्योंकि पंजाब की पुलिस से कोई उम्मीद नहीं है। युवक ने अपनी जान को भी खतरा बताया। उसने कहा कि वह मीडिया के सामने नहीं आना चाहता था। परिवार वालों की जान को खतरा है। जल्द से जल्द पूरे प्रूफ सार्वजनिक करूंगा।

वहीं, दूसरी तरफ विधायक अशोक पाराशर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष की ओछी साजिश बताया है। विधायक ने कहा कि आरोपी उसके आफिस में आता था और जब उन्हें उसकी ठगी का पता चला, तो उन्होंने खुद पीड़ितों की मदद की और पुलिस से केस दर्ज करवाया। आरोपी अब बीजेपी नेता गुरदेव देबी के साथ मिलकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। आरोपी के पास कोई सबूत नहीं है। सिर्फ फर्जी कागज दिखा कर आरोप लगा रहा है। उसकी किसी बात में कोई सच्चाई नहीं है।

# हार के बाद भाजपा को हराने साझा मंच बनाने निकलीं ममता

### एकजुट होने की कर रहीं अपील

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद राज्य की राजनीति में मचे उथल-पुथल के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। राज्य की सत्ता भाजपा के हाथों में जाने के बाद अब ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी है। शनिवार को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर कालीघाट स्थित अपने आवास पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी भाजपा विरोधी ताकतों को एक साझा मंच पर आने का आह्वान किया।

ममता बनर्जी ने अपनी अपील में न केवल क्षेत्रीय दलों, बल्कि वामपंथी और अति-वामपंथी विचारधारा वाले दलों को भी साथ आने को कहा। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए वह किसी भी दल से संवाद

करने को तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब यह सोचने का समय नहीं है कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त है, बल्कि यह समझने की जरूरत है कि मुख्य वैचारिक और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा है और उससे मुकाबला करने के लिए एकजुटता अनिवार्य है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों के बाद से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में टीएमसी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में गुंडागर्दी बढ़ गई है और असामाजिक तत्व सत्ताधारी दल की आड़ में हिंसा फैला रहे हैं। अपने कार्यकाल की याद दिलाते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 2011 में जब वह पहली बार सत्ता में आई थीं, तब उन्होंने इस तरह की प्रतिशोध की राजनीति को अनुमति नहीं दी थी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में पश्चिम बंगाल की 294 सीटों में से भाजपा ने 207 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल कर पहली बार राज्य में अपनी सरकार बनाई है। वहीं, टीएमसी को महज 80 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। इस हार के बाद ममता बनर्जी अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा तैयार करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके इस न्यौते पर अन्य विपक्षी दल क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

# हमारी प्राथमिकता बंगाल को नए सिरे से बनाना और जनता का विश्वास जीतना

### -मंत्री घोष बोले- यह तय कर रहे हैं किसे कौन सी जिम्मेदारी और भूमिका सौंपी जाए

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई फैसले लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता बंगाल को एक नए सिरे से बनाना है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई सालों से डर के साए में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और उद्योग या रोज़गार के अवसर बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियां और भूमिकाएं सौंपी जाएंगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके। हमारी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को दूर करना है। घोष ने कहा कि हमें बंगाल को

फिर से बनाना है। हमें हर चीज पर काम करना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि हम तुरंत काम शुरू कर देंगे और आप बदलाव देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 207 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है और टीएमसी के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया है। जनता को पहले ही विश्वास हो गया था कि बीजेपी ही पश्चिम बंगाल का विकास कर सकती है। वहीं यूपी सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का विकास बीजेपी की प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने वहां की जनता से विकास का जो वादा किया है, हम निश्चित तौर पर उसे निभाएंगे। पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से घुसपैठ होती थी। भारतीयों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था मजबूत हो। वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम होना चाहिए।

# पाकिस्तान की निकलेगी दम, भारत तैयार कर रहा एक विशाल 'ड्रोन फोर्स'

### ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने बदली जंग की रणनीति

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पहली बार एक विशाल 'ड्रोन फोर्स' तैयार करने का फैसला कर लिया है। यह नई फोर्स भविष्य के किसी भी सैन्य हमले में 'फर्स्ट रेस्पोंडर' यानी सबसे पहले जवाबी कार्रवाई करने वाली ताकत होगी। रक्षा प्रतिष्ठान के मुताबिक इस फोर्स को डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर सिस्टम का तकनीकी सहयोग मिलेगा, जिससे युद्ध के दौरान दुश्मन की गतिविधियों पर तेजी से नजर रखी जा सकेगी और सटीक हमले किए जा सके।

इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के अनुसार फिलहाल करीब 50 हजार सैन्य कर्मियों को ड्रोन संचालन और आधुनिक युद्ध तकनीकों का प्रशिक्षण मिल रहा है। अगले तीन वर्षों में 15 नए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जाएंगे, जहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी के जरिए सैनिकों को रीयल-टाइम बैटल ट्रेनिंग दी जाएगी। भविष्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को भी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। यह फोर्स इंटेलिजेंस, सर्विलांस और प्रिसीजन स्ट्राइक यानी सटीक हमले की दोहरी भूमिका निभाएगी। इस वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड और सेना के 'आकाशतीर' सिस्टम का सुरक्षा कवच मिलेगा।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा उत्पादन में भी तेजी से आत्मनिर्भरता हासिल की है। देश का रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। तीनों सेनाओं के लिए थिएटर कमांड की तैयारी हो रही है। दुश्मन के सस्ते ड्रोन हमलों से निपटने के लिए अब 'सॉफ्ट किल' तकनीक जैसे जैमिंग और स्पूफिंग के साथ 'हार्ड किल' तकनीक जैसे लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ड्रोन फोर्स की अवधारणा तब मजबूत हुई जब पाकिस्तान ने करीब 1,000 ड्रोन के जरिए भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम की कमजोरियों को परखने की कोशिश की। इसके बाद सेना ने तय किया कि भविष्य के युद्धों में हर सैनिक के पास अपना ड्रोन होना चाहिए। योजना के तहत सेना की प्रत्येक कोर में लगभग 8,000 ड्रोन शामिल किए जाएंगे, जिससे एक लाख ड्रोन की बड़ी ताकत तैयार होगी।

देश में रक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप और एमएसएमई की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है। इस वर्ष 120 नए डिफेंस स्टार्टअप शुरू हुए हैं, जिनमें 20 कंपनियां ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर तकनीकों पर काम कर रही हैं। भारत अब मिसाइलों के अहम सेंसर और इंजन जैसे महत्वपूर्ण उपकरण भी खुद बना रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भविष्य के युद्ध 'मल्टी-डोमेन' होंगे, जहां अंतरिक्ष से समुद्र तक एक साथ लड़ाई लड़ी जाएगी। इसतरह से भारत अब

इसतरह के ड्रोन विकसित कर रहा है जो बिना जीपीएस के भी काम कर सकें और जिन्हें जैम करना बेहद मुश्किल हो।

# तामिलनाडु के द्रविड़ राजनीति में विजय का उदय

राज कुमार सिन्हा

**तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए।**

वर्तमान तमिलनाडु की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव आया है। दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के दो पार्टियां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के वर्चस्व को पीछे छोड़ते हुए अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 107 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी जगह बनाई है। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) पार्टी के अध्यक्ष जोसेफ विजय द्वारा सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया था।जबकि टीवीके के संस्थापक जोसेफ विजय राज्यपाल अर्लेकर से दो बार मुलाकात कर सरकार बनाने का निमंत्रण देने का अनुरोध किया था। जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने में राज्यपाल की देरी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई।यह सर्वविदित है कि संविधान द्वारा शासित संसदीय लोकतंत्र में, किसी राजनीतिक दल या गठबंधन को बहुमत प्राप्त है या नहीं, यह प्रश्न केवल सदन के पटल पर ही निर्धारित किया जा सकता है। दूसरी ओर डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वार्ता और एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में सरकार बनाने के प्रयासों की खबरें भी आई जो जनादेश के विरुद्ध था। तमिलनाडु में अंदरखाने राष्ट्रपति शासन लगाने की चर्चा होने लगा था। तमिलनाडु में विजय की सरकार को कांग्रेस, लेफ्ट और वीसीके ने अपना समर्थन दिया है। आईयूएमएल ने भी टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है।तामिलनाडु में सरकार गठन के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए था जो अब 121 विधायकों का समर्थन मिल गया है। इसके बाद टीवीके की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। इस चुनाव में विजय ने दो विधानसभा सीटों से जीत हासिल की है। हालांकि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन उसके बाद भी सरकार बनाने को लेकर जोसेफ विजय को काफी दिक्कतें आई हैं। हालांकि, मुश्किलों को हल करने में राहुल गांधी की भूमिका काफी अहम रही है। तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय रविवार को राज्य के 9 वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लिया है।इनके साथ नौ लोगों ने मंत्री पद का शपथ लिया है।जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके का उदय तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। यह केवल एक फिल्म अभिनेता

के राजनीति में आने की घटना नहीं है, बल्कि राज्य की बदलती सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों, युवाओं की अपेक्षाओं और द्रविड़ राजनीति के भीतर उभरते खाली स्थान का परिणाम भी है। विजय तमिल सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से हैं। उनकी फिल्मों में अक्सर सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार विरोध और युवा शक्ति जैसे मुद्दे दिखाए जाते रहे हैं। उनका प्रशंसक नेटवर्क वर्षों से संगठित रूप में काम कर रहा था, जो अब राजनीतिक ढांचे में बदला गया है।टीवीके ने अभी तक खुद को पूरी तरह किसी एक वैचारिक ध्रुव से नहीं जोड़ा है।वे द्रविड़ पहचान, सामाजिक न्याय और तमिल अस्मिता को बनाए रखते हुए 'सर्वसमावेशी' छवि बनाना चाहते हैं।वे युवाओं को रोजगार, पारदर्शी व्यवस्था और सुशासन पर जोर देकर नई पीढ़ी को द्रविड़ राजनीति में जोड़ा है। इस बार के चुनाव में एआईएडीएमके का वोट शेयर लगभग 12 प्रतिशत तक गिरा है। इस बार सिर्फ पार्टी तीसरे नंबर पर पहुंच गई है, बल्कि वह मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी गंवा बैठी है।

डीएमके और एआईएडीएमके दोनों पार्टियां पेरियार और अन्नादुरई के सिद्धांतों जैसे सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, हिंदी विरोध को मानती है।1967 से तमिलनाडु में केवल इन दो पार्टियों ने ही सरकारें बनाई हैं, जो बारी-बारी से सत्ता में आती रही हैं। दोनों ही पार्टियों का फिल्मी जगत से गहरा संबंध रहा है, जहां नेता अक्सर पटकथा लेखक या अभिनेता रहे हैं।डीएमके का उदय 1949 में हुआ था।सी.एन. अन्नादुरई ने पेरियार के कुछ विचारों से असहमति के बाद डीएमके बनाई, जो चुनावी राजनीति में उतरी। दक्षिण के बड़े अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन ने करुणानिधि से विवाद के बाद डीएमके से अलग होकर 1972 में एआईएडीएमके बनाई।बाद में जयललिता ने इस पार्टी की कमान संभाली थी। जयललिता भी दक्षिण की मशहूर अभिनेत्री थी। तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति का इतिहास 1916 में जस्टिस पार्टी की स्थापना से शुरू होकर आज की डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वैचारिक और सत्ता संघर्ष का 110 साल पुराना सफर है।जस्टिस पार्टी की शुरूआत गैर-ब्राह्मण आंदोलन से हुई, जो प्रशासन और शिक्षा में ब्राह्मण वर्चस्व के खिलाफ था।बाद में जस्टिस पार्टी को पेरियार ई.वी. रामासामी ने द्रविड़ कड़गम में बदला, जिसका उद्देश्य स्वतंत्र द्रविड़ नाडु और सामाजिक सुधार था।तमिलनाडु की राजनीति देश के बाकी राज्यों से काफी अलग मानी जाती है। ऐसा इसलिए कि यहां जाति, भाषा, धर्म, क्षेत्रीय पहचान और सामाजिक न्याय की राजनीति ने एक ऐसी विचारधारा को जन्म दिया जिसे द्रविड़ राजनीति कहा जाता है। राज्य की दो सबसे बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके एक ही द्रविड़ आंदोलन से निकली है, दोनों की विचारधारा लगभग समान है, लेकिन राजनीतिक रूप से दोनों दशकों से कट्टर प्रतिद्वंद्वी बनी हुई है और पिछले पांच दशक से ज्यादा समय से तमिल राजनीति पर कब्जा किया हुआ है। 1967 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, जहां डीएमके ने कांग्रेस को हराकर सत्ता हासिल कर ली और सी. एन. अन्नादुरई मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब किसी क्षेत्रीय दल ने राज्य में कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति लगभग पूरी तरह द्रविड़ दलों के नियंत्रण में आ गई। अन्नादुरई की मृत्यु के बाद एम. करुणानिधि डीएमके के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे।1969 में सी.एन. अन्नादुरई के निधन के बाद, कलाइग्नार एम. करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और पांच बार इस पद पर आसीन हुए। उन्होंने 2016 तक हुए सभी 13 विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके एक रिकॉर्ड बनाया। 2018 में, उनके बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, डीएमके की आम सभा की बैठक हुई और एम.के. स्टालिन को डीएमके को अध्यक्ष चुना गया था।1980 और 1990 के दशक में तमिलनाडु की राजनीति पूरी तरह करुणानिधि बनाम जयललिता में बदल गई। दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक संघर्ष बेहद तीखा था। विधानसभा से लेकर सड़कों तक टकराव दिखाई देता था।

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए। विजय की लोकप्रियता और उसकी दीर्घकालिक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पार्टी को मजबूत संगठन, स्पष्ट नीतियां और विश्वसनीय राजनीतिक नेतृत्व कितना विकसित कर पाते हैं।

(बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संपादकीय

### बंगाल का 'रक्त-चरित्र'

बेशक पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' का जनादेश दिया गया है और आज पहली भाजपा सरकार शपथ ग्रहण कर रही है, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' नहीं बदला है। जनादेश के बाद बंगाल का 'बदलापुर' सामने है। चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोडफोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या सुवेन्दु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। सुवेन्दु भाजपा सरकार के भावी मुख्यमंत्री माने जा रहे हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट 'भवानीपुर' में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह सुवेन्दु के साथ तब से कार्यरत थे, जब सुवेन्दु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। सुवेन्दु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई। यह पूर्व नियोजित, साजिशाना, नृशंस हत्या है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल यह हत्या ही बंगाल के 'रक्तचरित्र' को बयां करती है। हालांकि चुनाव और जनादेश के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल और तृणमूल के कार्यकर्ता अबीर शेख की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ता को भी मारा गया है, जबकि बंगाल में कांग्रेस के अवशेष ही बचे हैं। बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, टॉलीगंज, हुगली, बांकुरा, आसनसोल, बीरभूम, जलपाईगुड़ी से 24 परगना तक हिंसा का जो 'नंगा नाच' सामने आया है, उनके 'रक्तबीज' कौन हैं? कमोबेश बंगाल से 'भद्रलोक' का सम्मानजनक विशेषण छीन लेना चाहिए, क्योंकि अब वह मुखौटा भर है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा और हत्याओं में बंगाल देश में शीर्ष स्थान पर है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। इस बार भी 400 से अधिक जगहों पर हिंसा, तोडफोड़, आगजनी की घटनाएं हुई हैं। 200 से अधिक अप्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 433 लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं और करीब 1100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2.40 लाख जवान तैनात किए गए थे। सीएपीएफ की 500 कंपनियां और तैनात की जा रही हैं, लेकिन बंगाल का 'रक्तचरित्र' यथावत है, कोई अंकुश नहीं, कोई बदलाव नहीं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी 'बदला नहीं, बदलाव' की अपील करते रहें। इस बार चुनाव के दौरान अपेक्षाकृत बहुत कम हिंसा हुई। हत्या कोई नहीं हुई थी, लेकिन चुनाव और जनादेश के बाद बंगाल का 'रक्तरंजित' चरित्र सामने आ गया। दरअसल बंगाल में जो 'रक्तबीज' कांग्रेस ने बोया था, उससे पैदा हिंसा की फसलों को वाममोर्चे की सत्ता के दौरान 'संस्थानगत' आकार दिया गया। तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो वामदलों के गुंडे, अपराधियों ने निष्ठाएं बदल लीं और तृणमूल के साथ जुड़ गए। नतीजतन 15 साल की सत्ता के दौरान हिंसा, हत्या, दादागीरी, गुंडई और इलाकाई बदमाशी का एक 'इकोसिस्टम' तैयार हो गया।

## चिंतन-मनन

### वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है। मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं। मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

**आवश्यकता है**

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# संवैधानिक संस्थानों पर गहराता संदेह और बदलता सियासी मिजाज

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय लोकतंत्र आज एक दोराहे पर है, जहां चुनाव के नतीजों से ज्यादा चर्चा चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक मयार्दाओं की हो रही है। देश की राजनीति में हाल के दिनों में जो कुछ घटा है–चाहे वह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और राज्यपाल के बीच का अभूतपूर्व टकराव हो, या फिर विपक्षी नेताओं का जेल जाना - इन सबने आम जनता के मन में कई गंभीर सवाल पैदा कर दिए हैं। क्या हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं? या फिर सत्ता की बिसात पर मोहरे अब संस्थानों की गरिमा से बड़े हो गए हैं?

सबसे पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की। वहां संवैधानिक संकट जिस मोड़ पर पहुंचा है, वह भारतीय संसदीय इतिहास के लिए एक चिंताजनक अध्याय है। ममता बैनर्जी ने चुनाव हारने के बाद साफ कह दिया कि हम हारे नहीं है, बल्कि चुनाव आयोग ने हमें हराया है, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, राज्यपाल चाहें तो मुझे सस्पेंड कर दें, मैं चुनावी प्रक्रिया में धांधली के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाऊँगी या फिर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट जाऊँगी यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया तो राज्यपाल ने सरकार बरखास्त कर दी, राज्यपाल ने बरखास्त कर दिया ये तो होना ही था, लेकिन इस तरह न नाटकीय घटनाओं से लोकतंत्र कमजोर होता है, उसमे सत्ता - विपक्ष दोनों को गहराई से सोचना चाहिए कि आम नागरिको में क्या संदेश जाएगा।

क्या लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं सक्रिय राजनीति का अखाड़ा बन गईं हैं? यह सवाल आज हर जागरूक नागरिक पूछ रहा है। वहीं दूसरी ओर, देश में ईवीएम और वोट चोरी को लेकर उठ रहे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे। हालांकि चुनाव आयोग बार-बार इसकी शुचिता का दावा करता है, लेकिन जब विपक्षी दल और नागरिक समाज के एक बड़े हिस्से में अविश्वास पैदा हो जाए, तो वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

भाजपा की एकतरफा जीत को लेकर भी समाज में दो फाड़ है, समर्थकों के लिए यह विकास की जीत है, तो विरोधियों के लिए यह संसाधनों और संस्थानों के दुरुपयोग का परिणाम। यह कहना भी हास्यापद होगा कि देश में राम राज्य आ गया है, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव जैसे जमीनी मुद्दे आज भी जस के तस बने हुए हैं।

राजनीति की नैतिकता पर सबसे बड़ा प्रहार दलबदल ने किया है। क्षेत्रीय दलों के कद्दावर नेताओं का रातों-रात पाला बदलकर भाजपा के साथ जुड़ना, अब विचारधारा की राजनीति नहीं बल्कि अवसरवाद की राजनीति का प्रतीक बन गया है। जब जनता किसी व्यक्ति को एक खास विचारधारा के लिए चुनती है और वह नेता व्यक्तिगत लाभ या दबाव में दूसरी तरफ चला जाता है, तो यह सीधे तौर पर जनमत का अपमान है। आयाराम-गयाराम की यह संस्कृति लोकतांत्रिक शुचिता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। इन सबके बीच, न्यायपालिका की साख पर भी उंगली उठने लगी है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा अदालत में यह कहना कि - मुझे आप पर विश्वास नहीं है कि आप न्याय करेंगी, केजरीवाल का दावा था कि जज आरएसएस से जुड़ी संस्था अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रमों में कई बार शामिल हुई हैं, जो एक विशेष विचारधारा को दशार्ता है। यह एक बेहद डराने वाली स्थिति की ओर इशारा करता है। जब देश के बड़े नेता और आम आदमी अदालतों की निष्पक्षता पर संदेह करने लगें, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ भी डगमगा रहा है। न्याय का केवल होना ही काफी नहीं है, बल्कि उसका दिखना भी जरूरी है।

आज की राजनीति में स्वतंत्र संस्थानों की विश्वसनीयता सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और यहां तक कि राजभवन - सभी की निष्पक्षता आज सवालों के घेरे में है। लोकतंत्र केवल वोट डालने और सरकार बनाने का नाम नहीं है; यह विश्वास और मयार्दाओं का खेल है। अगर जनता का भरोसा इन संस्थाओं से टूट गया, तो फिर हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने का गौरव कैसे बनाए रखेंगे? वक्त आ गया है कि सत्ता और विपक्ष, दोनों आत्ममंथन करें। राजनीति में जीत-हार चलती रहती है, लेकिन जीत की भूख में अगर हम लोकतंत्र की नींव ही खोद देंगे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। संस्थानों को अपनी रीढ़ मजबूत करनी होगी और नेताओं को अपनी नैतिकता। क्योंकि बिना विश्वास के, लोकतंत्र केवल एक खोखला ढांचा बनकर रह जाएगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

# महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को 'शक्ति', 'मातृशक्ति' और 'आधी दुनिया' कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर 'सुरक्षित' या 'कमजोर' उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में 'सरपंच पति' जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए 'उपयुक्त क्षेत्र' नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं।

सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरूआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी। उन्हें केवल चुनावी पोस्टर या प्रचार अभियान तक सीमित रखने की प्रवृत्ति बदलनी होगी। राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित राजनीतिक वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधित्व को दया, उपकार या राजनीतिक मजबूरी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार के रूप में देखा जाए। जब तक राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देंगे, तब तक लोकतंत्र का संतुलन अधूरा रहेगा। यह भी सच है कि महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित होना होगा। राजनीतिक चेतना और नेतृत्व क्षमता के विकास के बिना केवल संवैधानिक प्रावधान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना केवल महिलाओं का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का प्रश्न है। यदि आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया से बाहर रहेगी, तो लोकतंत्र भी आधा-अधूरा ही रहेगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों और घोषणाओं से नहीं आएगा, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों से आएगा। कथनी और करनी के इस अंतर को समाप्त किए बिना महिला आरक्षण का सपना अधूरा ही रहेगा। निश्चय ही हालिया विधानसभा चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजनीतिक दलों की महिला हितैषी राजनीति अभी भी बड़े पैमाने पर प्रतीकात्मक है। जब तक महिलाओं को टिकट वितरण, संगठनात्मक नेतृत्व और नीति निर्माण में न्यायसंगत भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक 'आधी दुनिया' लोकतंत्र के हाशिये पर ही खड़ी दिखाई देगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों ने बढ़ा हुआ मानदेय मिलने पर मनाई खुशी, योगी सरकार का जताया आभार

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में की गई ऐतिहासिक वृद्धि के बाद, अप्रैल माह का बढ़ा हुआ मानदेय उनके खातों में पहुंचते ही प्राथमिक शिक्षा जगत में खुशी की लहर दौड़ गई। अपनी लंबे समय से लंबित मांग पूरी होने के उत्साह में गंगेश्वरी ब्लॉक के शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी प्रसन्नता साझा की और योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन रूखालू न्याय पंचायत के उच्च प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह संवेदनशील निर्णय उनके और उनके परिवारों के लिए किसी बड़े उपहार से कम नहीं है। ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन द्वारा लंबे समय से मानदेय वृद्धि की मांग की जा रही थी। सरकार ने इन मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए शिक्षा मित्रों का मानदेय 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये और अनुदेशकों का मानदेय 9 हजार रुपये से बढ़ाकर 17 हजार रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई धनराशि का अप्रैल माह का भुगतान प्राप्त हो जाने से शिक्षकों का मनोबल बढ़ा है। यह वृद्धि न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाएगी, बल्कि उन्हें स्कूलों में और अधिक निष्ठा और ऊर्जा के साथ शिक्षण कार्य करने के लिए प्रोत्साहित भी करेगी।

इस खुशी के मौके पर उपस्थित वक्ताओं ने एक स्वर में प्रदेश सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र निर्माण की नींव हैं और सरकार द्वारा उनके हितों के प्रति दिखाई गई इस तत्परता से शिक्षा व्यवस्था में और भी सकारात्मक सुधार आएंगे।

इस अवसर पर अनुदेशक विलेश चौहान और दीक्षा शर्मा,शिक्षा मित्र राशिद अली, संतराम सिंह, दारा सिंह और विनोद कुमार,पूर्व एआरपी विकास राहुल, वरिष्ठ शिक्षक डॉ. रमेश सिंह, इंचार्ज अध्यापक मदनपाल, सहायक अध्यापक अमित कुमार, अजय सागर, मनीष कुमार और रेनू कंसल शामिल रहे।

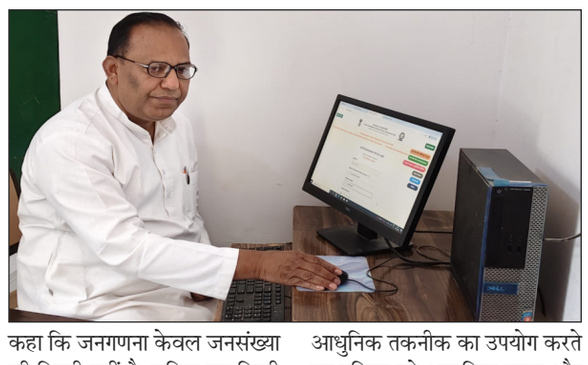

# शिक्षकों से डिजिटल स्वगणना अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की रामबीर सिंह ने की अपील

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत 'डिजिटल स्वगणना' अभियान को गति देने के लिए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपनी सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी है। डिजिटल इंडिया के विजन को आगे बढ़ाते हुए प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर अपनी स्वगणना प्रक्रिया पूरी कर एक मिसाल पेश की। इस अवसर पर उन्होंने जनपद के समस्त शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों से इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए



कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गिनती नहीं है, बल्कि यह किसी भी देश के सर्वांगीण विकास की योजनाओं का मुख्य आधार होती है। सटीक आंकड़ों के माध्यम से ही सरकार भविष्य की नीतियां, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे का खाका तैयार करती है। उन्होंने बताया कि इस बार भारत सरकार ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए प्रक्रिया को अत्यधिक सरल और सुविधाजनक बना दिया है। अध्यक्ष रामवीर सिंह ने जानकारी दी कि अब प्रत्येक शिक्षक और आम नागरिक स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपने आवास संबंधी और अन्य आवश्यक विवरण पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अब लंबी कागजी प्रक्रियाओं पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं होगी। यह कदम न केवल समय की बचत करेगा, बल्कि डेटा की सटीकता और पारदर्शिता को भी सुनिश्चित करेगा।

रामवीर सिंह ने सभी शिक्षक साथियों से अपील की कि वे न केवल अपनी गणना स्वयं करें, बल्कि एक जागरूक नागरिक और राष्ट्र निमार्ता के रूप में अपने आसपास के लोगों को भी इस डिजिटल प्रक्रिया के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा, "शिक्षकों की समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है, और यदि शिक्षक इस जनगणना के स्वयं अभियान से शत प्रतिशत रूप से जुड़ते हैं, तो इसके परिणाम बहुत अच्छे होंगे।

# अज्ञात महिला के शव का पुलिस ने किया खुलासा,प्रेमी ने शादी के दबाव में आकर की थी हत्या,दो गिरफ्तार

## पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हुई हत्या की पुष्टि,तनु के रूप में हुई पहचान

*सबका सपना संवाददाता*

गजरौला/अमरोहा जनपद के गजरौला भानपुर फाटक के निकट बीते दिनों मिले एक अज्ञात महिला के शव का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अपराध की संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

बता दें कि बीती 7 मई 2026 को गजरौला कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत भानपुर फाटक के निकट एक अज्ञात महिला का शव संदिग्ध हालत में पड़ा हुआ मिला था। जिसकी सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया था। बीते शनिवार को उक्त मृतक महिला की पहचान तनु पत्नी सुनील तमोली पुत्री हजारी निवासी मोहल्ला हरिजन, शिव विहार कॉलोनी, गली नंबर 4, बल्लभगढ़, जनपद फरीदाबाद हरियाणा जिसकी उम्र करीब 26 वर्ष के रूप में की गई। स्थानीय पुलिस द्वारा मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया गया जिसमें उसकी गला दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई। इस संबंध में मृतका के परिजनों द्वारा गजरौला कोतवाली पर कमिल पुत्र फारुख निवासी ग्राम मिलक बकैना थाना नौगांव सादात अमरोहा के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कराया गया। विवेचना के दौरान अभियुक्त नाजिर पुत्र छिद्दु निवासी मीरसराय थाना अमरोहा देहात का नाम प्रकाश में आया जिसको पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी में बताया गया की मृतका का अपने पति से विवाद चल रहा था जिसके चलते वह अपने पति से अलग रह रही थी, मृतका का अभियुक्त कमिल पुत्र फारूक निवासी ग्राम मिलक बकैना थाना नौगांव सादात जनपद अमरोहा के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था, जांच के दौरान यह तथ्य भी प्रकाश में आया कि मृतका अभियुक्त पर शादी करने का दवा बन रही थी जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था इस पर अभियुक्त कमिल ने अपने बहनोई नाजिर के साथ प्लानिंग करके प्लानिंग के हिसाब से गजरौला स्टेशन से आगे पटरी के किनारे सुनसान जगह पर ले जाकर तनु का गला दबाकर उसे जान से मार दिया और उसकी लाश को उसी की चुन्नी से ढक दिया था। पुलिस द्वारा इस मामले में गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ अपराध की संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

# राष्ट्रव्यापी नवजात पुनर्जीवन दिवस का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के जिला संयुक्त चिकित्सालय में नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम के तत्वावधान में Nationwide Neonatal Resuscitation Program (NRP) दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवजात शिशु मृत्यु दर को कम करना है, जो नेशनल हेल्थ मिशन का प्रमुख लक्ष्य है।एमसीएच विंग के सभागार में कार्यक्रम का उद्घाटन वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी अमरोहा के बाल एवं शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश बंसल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए.के. भंडारी, कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. अवनीश कुमार और डॉ. एम.डी. याकूब अली ने संयुक्त रूप से किया।इस अवसर पर डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि नवजात शिशु के जन्म के बाद पहला मिनट "गोल्डन मिनट" अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बच्चे को जीवन भर अपंग बना सकती है, परिवार पर बोझ बढ़ा सकती है या बच्चे की मृत्यु तक हो सकती है। इसलिए सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की नैतिक जिम्मेदारी है कि गोल्डन मिनट में त्वरित कार्यवाही करें, गंभीर लक्षणों की पहचान कर प्राथमिक उपचार दें और अधिक से अधिक बच्चों की जान बचाएं।कार्यक्रम में जिला संयुक्त चिकित्सालय के लेबर रूम, एसएनसीयू, एनआरसी स्टाफ के साथ-साथ जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सक एवं पैरामेडिक्स सहित लगभग 50 लोगों ने भाग लिया।

वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी के प्रो. डॉ. शहजाद आलम, डॉ. ऋषभ बत्रा, डॉ. शशी धरन, डॉ. रितेश कुमार तथा जिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. इकबाल हुसैन, डॉ. शिवकुमार गुप्ता, डॉ. फैजान अशरफ आदि ने चार अलग-अलग टेबलों पर ठप्फ्ढ प्रशिक्षण दिया। गंभीर खतरों के पहचान चिह्नों के बारे में विस्तार से बताया गया तथा हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग और वीडियो के माध्यम से स्टाफ को पूर्ण प्रशिक्षित किया गया।

# एस एस एकेडमी में रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला संयुक्त चिकित्सालय के ब्लड बैंक की टीम द्वारा मानव सेवा समिति ग्राम मुनव्वरपुर के तत्वावधान में एस एस एकेडमी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। ब्लड बैंक टीम द्वारा कुल 43 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। टीम के सदस्यों ने उपस्थित लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूक किया और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और समाज में रक्तदान की पावन भावना को बढ़ावा देना था। मानव सेवा समिति के सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। इस मौके पर मानव सेवा समिति के पदाधिकारी व सदस्यों के अलावा डॉ. प्रमोद कुमार, शबनम यादव, ललित कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तदान करने वालों की सराहना की और कहा कि ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित होने चाहिए ताकि रक्त की कमी की समस्या दूर हो सके।जिला संयुक्त चिकित्सालय अमरोहा के ब्लड बैंक टीम ने पूरे कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया और रक्तदान करने वाले सभी दानवीरों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

# जिलाधिकारी ने अपने पिताजी के जन्मदिन पर गौशाला के लिए किया भूसा दान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में गोवंश संरक्षण एवं उनके भरण-पोषण के लिए चलाए जा रहे भूसा संग्रहण अभियान में तेजी आ गई है। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने अपने पिताजी बृजेश कुमार शर्मा के जन्मदिन के शुभ अवसर पर जिले की सबसे बड़ी गौशाला 'नंदी विहार' गुरेठा (ब्लॉक गंगेश्वरी) में 125 क्विंटल भूसा दान किया। इस अवसर पर डॉ. नितिन गौड़ ने जन सामान्य से भावुक अपील की कि निरीह एवं बेजुबान गोवंश की सेवा में सभी अपनी क्षमता अनुसार भूसा दान करें, ताकि पूरे वर्ष गोवंश के भरण-पोषण की उचित व्यवस्था बनी



रहे। उन्होंने कहा कि गोवंश हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग हैं और उनकी देखभाल करना हमारा नैतिक दायित्व है।जिलाधिकारी ने बीडीओ गंगेश्वरी को गौशाला के समस्त आवश्यक रिपेयरिंग कार्य शीघ्र पूरा करने, वृक्षारोपण करने तथा पशु चिकित्सा अधिकारी को नियमित रूप से बीमार गोवंश का उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम हसनपुर को क्षेत्र की सभी चारागाह भूमि को कब्जा मुक्त कराकर बीडीओ के माध्यम से चारा बुवाई कराने का सख्त निर्देश दिया।इस मौके पर जिलाधिकारी के पिताजी बृजेश कुमार शर्मा वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़े और अमरोहा की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त, एसडीएम, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज, बीडीओ गंगेश्वरी तथा संचालन समिति के सभी प्रधान सदस्य उपस्थित रहे। यह पहल जिले में गोवंश संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

# डीएम डॉ. नितिन गौड़ ने रहरा थाने का किया औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ द्वारा आज रहरा पुलिस थाने का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने परिसर की स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव, मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर सेल, अपराध रजिस्टर एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम की गहनता से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस दौरान सभी पुलिस अधिकारियों की हाजिरी की जांच की गई। इसके अलावा कंप्यूटरीकृत जनरल डायरी एवं सीसीटीएनएस व्यवस्था का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया। हिस्ट्री शीट तथा फ्लाइंग शीट की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने थाने में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही मादक पदार्थ संबंधी मुकदमों में यदि कोई नीलामी योग्य संपत्ति लंबित है, तो उसे तुरंत निस्तारित करने के निर्देश दिए। आगंतुकों/शिकायतकताओं के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था तथा ठंडे पीने के पानी की सुविधा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय, प्रभारी निरीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# थाना डिडौली पुलिस ने किया युवक की हत्या के मामले का खुलासा,भाई,पिता व मां द्वारा रची गई थी हत्या की साजिश

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली पुलिस द्वारा अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया एवं क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल नेतृत्व में युवक की हत्या के मामले का सफल अनावरण किया गया।

बता दें कि इस मामले में 9 मई को कोतवाली परिसर में सूचना प्राप्त हुई कि एक अज्ञात व्यक्ति का शव गांव श्यामपुर के जंगल में स्थित एक सुखी नहर में पड़ा हुआ है घटनास्थल पर पहुंच कर देखने पर मृतक के सिर पर कई चोटों के निशान पाए गए, जिसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके अलावा मृतक युवक की शिनाख्त दुष्यंत पुत्र प्रीतम सिंह निवासी ग्राम नसीरपुर थाना डिडौली जनपद अमरोहा के रूप में हुई इस प्रकरण में मृतक के पिता प्रीतम सिंह पुत्र परम सिंह निवासी ग्राम नसीरपुर थाना डिडौली जनपद अमरोहा द्वारा थाना डिडौली पर लिखित तहरीर दी गई जिसमें उनके पुत्र दुष्यंत की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की गई थी। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना डिडौली पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया। इस मामले में पुलिस द्वारा की गई विवेचना एवं पूछताछ के दौरान प्रकाश में आया कि मृतक दुष्यंत एक अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति था जिसके विरुद्ध पूर्व से कई अभियोग पंजीकृत है। मृतक शराब पीने का आदी था तथा आए दिन अपने माता-पिता ,भाई ,भाभी, रिश्तेदारों एवं दादा-दादी के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट करता था जिससे परिवार के लोग काफी परेशान थे। मृतक की हरकतों से क्षुब्द होकर मृतक के भाई संकेत पुत्र पीतम सिंह, पिता पीतम सिंह एवं माता देवी पत्नी पीतम सिंह निवासी नसीरपुर थाना डिडौली जनपद अमरोहा द्वारा घर के जेवर अमरोहा स्थिति सुंदर के यहां गिरवी रखकर 55000 प्राप्त किए गए तथा उक्त धनराशि ग्राम ढैला नगला निवासी अपराधी प्रवृत्ति के युवक जोगिंदर उर्फ जोली को दुष्यंत की हत्या करने हेतु दी गई साथ ही 500000 रु. अतिरिक्त बाद में देने का आश्वासन दिया गया। दिनांक 08 व 09/05/2026 की रात्रि में योजना के तहत मृतक के भाई संकेत एवं जोगिंदर उर्फ जोली तथा दो अन्य अज्ञात अभियुक्त द्वारा मिलकर दुष्यंत की हत्या कर शव को ग्राम श्यामपुर के जंगल में स्थित सुखी नहर में फेंक दिया गया। इस मामले में फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम पूरी तरह से प्रयासरत है जिनकी गिरफ्तारी शीघ्र ही सुनिश्चित की जाएगी।

# जिलाधिकारी ने किया कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, गंगेश्वरी का औचक निरीक्षण किया। विद्यालय में कुल 150 छात्राओं का नामांकन बताया गया, जिनमें से 120 छात्राएं उपस्थित थीं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने छात्राओं की रहने की व्यवस्था, रसोई, बच्चों की पढ़ाई का स्तर तथा खेल एवं अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में उनकी रुचि और उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जहां पेंट खराब है, वहां तत्काल पुताई कराई जाए। प्रकाश की कमी को दूर करते हुए उचित लाइटिंग की व्यवस्था की जाए। हवा के लिए



खिड़कियां खुली रखी जाएं तथा खिड़की-दरवाजे साफ-सुथरे रखे जाएं। साथ ही रहने वाले क्षेत्र का सौंदर्यीकरण किया जाए। छात्राओं से बातचीत के दौरान अधिकांश ने बताया कि वे मुख्य रूप से कबड्डी और फुटबॉल खेलना पसंद करती हैं।

इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्चों को और अधिक खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाए, जिसमें बैडमिंटन, क्रिकेट आदि के उपकरण शामिल हों, ताकि पढ़ाई के साथ-साथ प्रतिदिन कोई न कोई खेल गतिविधि में सभी छात्राएं भाग ले सकें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उप जिला अधिकारी हसनपुर तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# डिडौली पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास करने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की डिडौली पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म करने का प्रयास करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। डिडौली पुलिस ने इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन ,अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी जोया के कुशल नेतृत्व में किया।

बता दें कि इस मामले में 9 मई को वादी द्वारा थाना डिडौली परिसर पर तहरीर दी गई कि अभियुक्त याकूब पुत्र जफीर निवासी ग्राम सिनौरा जलालाबाद, थाना डिडौली जनपद अमरोहा द्वारा वादी की नाबालिग पुत्री उम्र करीब 14 वर्ष जिसे परिजनों एवं स्थानीय लोगों द्वारा मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया गया है को बहला-फुसलाकर गलत कार्य करने की नीयत से गन्ने के खेत में ले जाया गया जहां गांव की अन्य महिलाओं द्वारा उसे देख लिए जाने पर सूचना दी गई ,समय से जानकारी प्राप्त हो जाने पर नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया गया। जांच के दौरान पीड़िता के साथ किसी प्रकार का गलत कार्य ना होना प्रकाश में आया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना डिडौली पर याकूब पुत्र जफीर उम्र करीब 65 वर्ष निवासी ग्राम सिनौरा जलालाबाद थाना डिडौली जनपद अमरोहा के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया गया। इस मामले में पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

# बारहसैनी रामलीला एवं रामबाग ट्रस्ट की साधारण सभा सम्पन्न

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- बारहसैनी रामलीला एवं रामबाग ट्रस्ट चंदौसी की साधारण सभा शनिवार को बारहसैनी सेवा सदन रामबाग धाम में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश वंदना के साथ हुआ। सभा में 19 अप्रैल को सम्पन्न हुए ट्रस्ट चुनाव को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने में सहयोग करने वाले निर्वाचन अधिकारी मोरमुकुट वार्ष्णेय, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुशील कुमार वार्ष्णेय (रइक) एवं सुरेश चन्द्र वार्ष्णेय (रइक) सहित मतदान एवं मतगणना में सहयोग करने वाले सभी बंधुओं को नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से सम्मानित किया गया।

प्रधान मौसम गुप्ता के नेतृत्व में ट्रस्ट के बुजुर्ग ट्रस्टियों को स्मृति चिन्ह एवं रामचरितमानस भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 1 जून से सामान्य प्रक्रिया के तहत नए सदस्य बनाए जाएंगे। साथ ही रामबाग बाल विद्यालय को इंटर कक्षाओं तक उच्चीकृत करने के लिए शीघ्र योजना बनाकर कार्य शुरू किया जाएगा।

मनोज कुमार शोभाराम, कौशल किशोर वन्देमातरम, रितिक वार्ष्णेय, प्रमोद कुमार गांधी, मोहित वार्ष्णेय शक्ति भोग, किंग वार्ष्णेय, रजनीश कुमार वार्ष्णेय, दीपांशु वार्ष्णेय, यश गुप्ता किराना, हिमांशुल वार्ष्णेय हिम्मी, अजय वार्ष्णेय ऋछउ, स्पर्श वार्ष्णेय काका, अभय कुमार वार्ष्णेय, करन वार्ष्णेय डेक्रो, प्रदीप वार्ष्णेय ठेकेदार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सभा में फूल प्रकाश वार्ष्णेय, सभा की अध्यक्षता प्रधान मौसम गुप्ता ने की जबकि संचालन मंत्री अमित केएस ने किया। कार्यक्रम में दीपक गुप्ता दाल वाले, गौरव वार्ष्णेय अङऋ राकेश चन्द्र आर्य, गौरव वार्ष्णेय रख, अंकित वार्ष्णेय, प्रतीक वार्ष्णेय किट्ठ, गणेश चौधरी, मयंक वार्ष्णेय चिंकल, मनोज कुमार श्याम, अखिलेश कुमार खिलाड़ी, हरिगोपाल वार्ष्णेय, दिनेश चंद्र भगत जी, मधुर कुमार वार्ष्णेय, कमल किशोर गुप्ता, देवेश नाथ वार्ष्णेय एवं नरेश कुमार गुप्ता समेत कई लोगों ने अपने विचार रखे और ट्रस्ट की प्रगति को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

# धूमधाम से मनाई गई वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के विकासखंड बहजोई के ग्राम जैतपुर पाठकपुर में शनिवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में ग्रामीणों एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के शौर्य, त्याग और देशभक्ति

पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन संघर्ष में बिताया। उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों एवं नारों से वातावरण गूंज उठा। उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन में गांव के लोग, युवा एवं महिलाएं बड़ी संख्या में मौजूद रहीं।

# नरौली में ब्रह्मलीन महाराज प्रकाश दास की मूर्ति स्थापना, भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नरौली/सम्भल(सब का सपना):- जनपद की नगर पंचायत नरौली स्थित वाल्मीकि शिव मंदिर, बेटा साहू रोड पर रविवार को ब्रह्मलीन महाराज प्रकाश दास की मूर्ति स्थापना श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ की गई। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें नगर एवं आसपास के गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम अखंड भारत महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार विराट के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। मूर्ति स्थापना के दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक माहौल बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर महाराज प्रकाश दास को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और सामाजिक एकता एवं भाईचारे का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रेम दास, डॉ. टिंकू राजोरिया, सोमवीर, राजीव, विजेंद्र वाल्मीकि, सुनील, विशाल वाल्मीकि, हरि, ऋषिपाल, राखीलाड़ी वाल्मीकि, सुभाष वाल्मीकि, सीताराम, सौरभ, नरेश, रामवीर एवं मुकेश वाल्मीकि सहित अनेक लोगों का विशेष सहयोग रहा।

# संघ को जानो प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह, 197 प्रतिभागियों ने लिया भाग

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वैभवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष के अंतर्गत विद्यार्थी विभाग द्वारा नगर के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए संघ को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता नगर के दो केंद्रों जगदीश शरण सर्राफ सरस्वती शिशु मंदिर, हनुमानगढ़ी एवं चंदौसी पब्लिक स्कूल, चंदौसी में सम्पन्न हुई।

प्रतियोगिता में पंजीकृत 321 प्रतिभागियों में से 197 विद्यार्थी उपस्थित रहे जबकि 124 अनुपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त राजेश कुमार सरस्वती विद्या मंदिर, डॉ. अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल पथरा, लाला सोहनलाल सरस्वती शिशु मंदिर महाजन मोहल्ला, आर.आर.के. स्कूल, लक्ष्मीदेवी हरप्रसाद सरस्वती शिशु मंदिर एवं ए.एम. वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया।

आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य समाज में राष्ट्र भावना की विचारधारा को जागृत करना तथा युवा प्रतिभाओं को राष्ट्र सेवा के कार्यों के प्रति प्रेरित करना है। प्रतियोगिता वैकल्पिक उत्तर प्रणाली पर आधारित रही, जिससे विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता एवं प्रत्युत्पन्नमति के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

प्रतियोगिता की तैयारी का मुख्य स्रोत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संघ यात्रा पुस्तिका रही, जिसमें जीवन व्यवहार, संस्कार, सामाजिक सरोकार एवं भारतीय संस्कृति के वैभव से जुड़े प्रश्न पूछे गए। परीक्षा के दौरान वातावरण पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं अनुशासित रहा। विद्यार्थी एकाग्रचित होकर प्रश्नपत्र हल करते नजर आए।

कक्ष निरीक्षकों में अभिनव, डॉ. आशीष यादव, श्याम ठाकुर, डॉ. डी.के. अग्निहोत्री, वीरूकमल, अजय कुमार, अंश, उदयवीर, ओम पाठक पर्व एवं कुशल अग्रवाल ने व्यवस्थाएं संभालीं। वहीं केंद्र पर्यवेक्षकों के रूप में रौनक एवं हरीश कठेरिया एडवोकेट मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. जयशंकर दुबे, आशा गोस्वामी, आरती सिंह, मुदित गर्ग, मिरांश राघव, नंदकिशोर राणा, प्रेम नारायण शर्मा, रणजीत कौर, अनामिका यादव, काजल, वंशिका, सुधांशु एवं पिंटू यादव ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

# पटाखे छोड़ती बुलेट पर पुलिस का शिकंजा, यातायात पुलिस का जागरूकता अभियान

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा शनिवार को विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत कस्बा बहजोई के इस्लामनगर चौराहे पर यातायात प्रभारी के नेतृत्व में यातायात उप निरीक्षक अनीस अहमद ने पुलिस टीम के साथ सघन वाहन चेकिंग अभियान संचालित किया।

अभियान के दौरान मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज आवाज और पटाखे छोड़ने वाली बुलेट मोटरसाइकिलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने एवं आमजन को परेशानी पहुंचाने वाली कई बुलेट बाइक को रोककर जांच की गई, जिनमें से नियम विरुद्ध मोडिफाई साइलेंसर पाए जाने पर एक बुलेट मोटरसाइकिल को सीज करते हुए थाना बहजोई पर दाखिल किया गया।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाना एवं सड़क पर स्टंट करना कानूनन अपराध है। ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान पुलिस ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी जागरूक किया। यातयात पुलिस के इस अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति बनी रही और चौराहे पर काफी देर तक चेकिंग अभियान चलता रहा।

# पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 5 परिवारों का हुआ समझौता, 76 प्रकरणों की हुई सुनवाई

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी मनोज कुमार रावत तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निदेर्शानुसार संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक पुलिस लाइन बहजोई में थानाध्यक्ष डॉ. रूकमपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में पति-पत्नी के मध्य चल रहे आपसी विवादों को काउंसलर्स के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलिंग के दौरान कुल 76 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 18 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया।

काउंसलिंग प्रक्रिया में आपसी सहमति के आधार पर 5 परिवारों को पुनः मिलाया गया। वहीं 5 पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। इसके अलावा 8 मामलों में आवेदक एवं आवेदिका के उपस्थित न होने तथा पक्ष द्वारा विशेष रुचि न दिखाने के कारण पत्रावलियों को बंद कर दिया गया।

इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, लवमोहन वार्ष्णेय, कंचन माहेश्वरी, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबिता शर्मा, कांस्टेबल शहजाद मलिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत एवं महिला आरक्षी ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

हयातनगर/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में शनिवार को थाना हयातनगर में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना क्षेत्र से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया।

समाधान दिवस में भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिन पर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को त्वरित न्याय एवं राहत दिलाना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है।

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक मामले की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इस दौरान उपस्थित फरियादियों को आश्वस्त किया गया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है। समाधान दिवस में पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

# अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पकड़ी गई जेसीबी मशीन

असमोली/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। थाना असमोली क्षेत्र के गांव मुबारकपुर में खनन विभाग की टीम ने मिट्टी का अवैध खनन करते हुए एक जेसीबी मशीन को मौके पर पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद मशीन को तत्काल थाना असमोली में सुपुर्द कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार खनन अधिकारी शिवम कुमार अपनी टीम के साथ क्षेत्र में निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान गांव मुबारकपुर में बिना अनुमति मिट्टी खनन की सूचना मिली। सूचना पर पहुंची टीम ने मौके पर जांच की तो जेसीबी मशीन से अवैध रूप से मिट्टी खनन किया जा रहा था। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मशीन को कब्जे में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया।

बताया गया कि यह कार्रवाई जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में किसी भी हालत में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि यदि भविष्य में भी कहीं अवैध खनन की शिकायत मिलती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ मशीनों को भी सीज किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध खनन होता दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन या पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

# गंगा एक्सप्रेसवे पर स्कॉर्पियो हादसे में चार घायल, बहू की विदाई कर लौट रहा था परिवार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव किसौली के पास रविवार सुबह गंगा एक्सप्रेसवे पर एक स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर बैरिकेड से टकरा गई। हादसे में वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि उसमें सवार चार लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया और सभी की जान सुरक्षित बच गई।

जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो बदायूं से मेरठ की ओर जा रही थी। इसी दौरान गांव किसौली के पास वाहन चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी हाईवे पर लगे बैरिकेड से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे में घायल होने वालों में सुखदेव पुत्र रामरतन (22), रंजा सिंह पत्नी सुखदेव (20), चांदनी पुत्री घनश्याम सिंह (17) तथा राम बिलास (70) शामिल हैं। बताया गया कि सभी लोग शाहजहांपुर से बहू की विदाई कराकर अपने घर जनपद गाजियाबाद लौट रहे थे।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार सभी घायलों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत खतरे से बाहर है।

पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को हाईवे से हटवाकर यातायात सुचारु कराया। हादसे के बाद परिवार के सदस्यों में दहशत का माहौल रहा, हालांकि सभी के सुरक्षित होने से परिजनों ने राहत की सांस ली।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि हाईवे पर सावधानीपूर्वक एवं निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, जिससे सड़क हादसों से बचा जा सके।

# महाकालेश्वर देव वाणी मंदिर ट्रस्ट ने कराई निर्धन कन्या की शादी, भावुक माहौल में हुई विदाई

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- रामबाग रोड स्थित अक्रूर जी पुरम में स्थापित महाकालेश्वर देव वाणी मंदिर ट्रस्ट ने रविवार को मानवता और सामाजिक सहयोग की अनूठी मिसाल पेश करते हुए एक निर्धन हिन्दू कन्या का विवाह धूमधाम से संपन्न कराया।

मुरादाबाद निवासी मीनाक्षी शर्मा का विवाह जनपद बदायूं के थाना उघैती क्षेत्र के ग्राम जाटों वाला रामनगर निवासी शिवकुमार शर्मा के साथ मंदिर प्रांगण में वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार सम्पन्न हुआ। विवाह समारोह में सात फेरे, जयमाला एवं अन्य धार्मिक रस्में पूरे विधि-विधान से कराई गईं।

बताया गया कि कन्या के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है तथा उसका एक भाई है, जो दिव्यांग है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण विवाह में काफी परेशानियां आ रही थीं। ऐसे में कन्या पक्ष के दूर के रिश्तेदारों ने इस समस्या से मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों को अवगत कराया।

स्थिति की जानकारी मिलने पर अक्रूर जी पुरम के निवासियों एवं मंदिर ट्रस्ट ने विवाह की पूरी जिम्मेदारी अपने हाथों में ले ली। महिला एवं पुरुष ट्रस्टियों ने कन्या पक्ष के परिजनों की भूमिका निभाते हुए विवाह समारोह को यादगार बना दिया।

ट्रस्ट की ओर से नवविवाहित जोड़े को गृहस्थ जीवन के लिए आवश्यक उपहार भी भेंट किए गए। विवाह के बाद कन्या की विदाई भावुक माहौल में सम्पन्न हुई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने ट्रस्ट के इस सामाजिक एवं मानवीय कार्य की सराहना की।

कार्यक्रम में क्षेत्र के लोग, महिलाएं एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने नवदंपति के सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

# तीन दिन बाद पिंजरे में कैद हुआ गुलदार, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

## मानियावाला गांव में वन विभाग को मिली सफलता, पीलीडैम ले जाया गया गुलदार

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव मानियावाला में पिछले कई दिनों से दिखाई दे रहा गुलदार आखिरकार वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में कैद हो गया। गुलदार के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग की टीम गुलदार को अपने कब्जे में लेकर पीलीडैम रवाना हो गई। रविवार सुबह गांव के कुछ लोग घूमने के लिए निकले थे। इसी दौरान उन्हें गुरार्ने की आवाज सुनाई दी। पास जाकर देखने पर एक गुलदार पिंजरे में कैद मिला। इसकी सूचना गांव में फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को

सूचना दी। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गुलदार को पिंजरे सहित अपने कब्जे में ले लिया। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लगातार गुलदार दिखाई देने से लोग भयभीत थे। बच्चों और महिलाओं का घरों से निकलना मुश्किल हो गया था। बताया गया कि कुछ दिन पूर्व वन विभाग की टीम ने गांव में दो पिंजरे लगाए थे, जिनमें से एक पिंजरा गांव की उत्तर दिशा में लगाया गया था। उसी पिंजरे में गुलदार कैद हुआ।

उधर नगीना रेंजर प्रदीप शर्मा ने बताया कि पिंजरे में कैद गुलदार मादा है, जिसकी उम्र करीब ढाई से तीन वर्ष आंकी गई है। गुलदार को पीलीडैम ले जाया गया है, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। उच्चाधिकारियों के निर्देश के बाद उसे जंगल में छोड़ा जाएगा। वन विभाग की टीम में वन दरोगा सुनील राजौरा,वन रक्षक अंकित कुमार तथा वॉचर मुजीब शामिल रहे।

# किसान की खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चलाकर कब्जा का प्रयास

## शिवाला कलां के नैनूनांगल गांव में भू-माफिया पर आरोप, पुलिस में शिकायत

शिवाला कलां/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के शिवाला कलां क्षेत्र के गांव नैनूनांगल में एक किसान की खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चलाकर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया गया। पीड़ित किसान नृपेन्द्र पुत्र बृजेश कुमार ने इस संबंध में पुलिस को सूचना दी और बाद में थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नूरपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव नैनूनांगल निवासी पीड़ित किसान नृपेन्द्र ने अपनी शिकायत में बताया कि ग्राम मुराहट निवासी देवेन्द्र पुत्र वेदपाल, पवन, कृष्णपाल और श्याम सिंह पुत्र जसवंत ने उनकी

जमीन पर खड़ी फसल को ट्रैक्टर से नष्ट कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी उनकी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे।पीड़ित किसान नृपेन्द्र के अनुसार, यह जमीन खसरा संख्या 164 और 194 पर मुराहट में नैनू नांगल रोड पर स्थित है। उन्होंने बताया कि बैनामे के बाद से वह लगभग 25 वर्षों से इस भूमि पर खेती कर रहे हैं। घटना के दौरान, प्रार्थी नृपेन्द्र ने तुरंत 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। आरोप है कि आरोपी पीड़ित को जान से मारने की धमकी देकर अपने गांव मुराहट की ओर भाग गए। नृपेन्द्र पुत्र बृजेश ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर इन आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामले में उप जिलाधिकारी का कहना है जांच चल रही है।

# अधिकारियों के नाम पर अवैध वसूली का खेल, यूपी कौशल विकास मिशन में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना अब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। जिले में उच्च अधिकारियों के नाम पर अवैध वसूली का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिससे विभाग में हड़कंप मच गया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो के आधार पर आरोप है कि बिजनौर कौशल विकास के जिम्मेदार पद पर बैठे कुछ लोग जिले के मुख्य विकास अधिकारी (CDO) और अन्य बड़े अधिकारियों का खौफ दिखाकर कौशल विकास केंद्रों से मोटी रकम की मांग कर रहे हैं। इस मामले में आईटीआई प्रिंसिपल, कौशल विकास के डीसी श्री मंजुल मयांक, मारकंडे चौरसिया और रोहतास पांडे के नाम प्रमुखता से सामने आ रहे हैं। आरोप है कि ये लोग कौशल विकास सेंटरों पर जाकर जांच और कार्यवाही का डर दिखाते हैं

और फिर मामला रफा-दफा करने के नाम पर अवैध वसूली को अंजाम देते हैं।

वीडियो में साफ तौर पर रुपयों के लेन-देन और अधिकारियों के हिस्से की बात की जा रही है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं। सेंटर संचालकों का कहना है कि इस अवैध वसूली के कारण केंद्रों का संचालन मुश्किल हो गया है, जिसका सीधा असर वहां प्रशिक्षण ले रहे युवाओं के भविष्य पर पड़ रहा है।

भ्रष्टाचार के इस चरम खेल ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पर सवालिया निशान लगा दिया है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इन दोषियों के खिलाफ क्या ठोस कार्यवाही करता है या फिर अधिकारियों के नाम पर चल रहा यह 'वसूली गैंग' इसी तरह सक्रिय रहेगा।

# सड़क धंसने से गांवों का संपर्क प्रभावित, लोग परेशान

## भूतपुरी-जसपुर मार्ग पर बैरिकेडिंग, मरम्मत तक यातायात बंद

बिजनौर (सब का सपना):- अफजलगढ़ क्षेत्र में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब भूतपुरी-जसपुर मार्ग पर बनेली नदी पुल के समीप सड़क अचानक धंसने लगी। सड़क के किनारे की मिट्टी खिसकने से हादसे का खतरा बढ़ गया, जिसके बाद प्रशासन ने एहतियातन मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही रोक दी। पुल से दुपहिया वाहनों को भी गुजरने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने तत्काल बैरिकेडिंग कर मार्ग को बंद करा दिया ताकि कोई बड़ा हादसा न हो सके। सड़क धंसने के कारण भूतपुरी, जसपुर और आसपास के कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों को अब वैकल्पिक रास्तों से होकर आठ से दस किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पुल के किनारे लंबे समय से कटान हो रहा था और कई बार इसकी शिकायत भी की गई थी। ग्रामीण सुनील कुमार, पिंटू, योगेश कुमार, मनोज कुमार, जयप्रकाश सिंह, बलराम सिंह, भूदेव सिंह, लेखराज सिंह, सुरेश कुमार, गजराम सिंह और पंकज कुमार ने आरोप लगाया कि समय रहते मरम्मत कार्य नहीं कराया गया, जिसके चलते यह स्थिति पैदा हुई। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि मार्ग बंद होने के बावजूद मौके पर कोई चेतावनी बोर्ड नहीं लगाया गया है, जिससे राहगीरों को परेशानी हो रही है।

पीडब्ल्यूडी अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि सड़क धंसने की सूचना मिलते ही विभागीय टीम को मौके पर भेजा गया है। फिलहाल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात बंद कराया गया है। विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त हिस्से का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य की तैयारी की जा रही है और जल्द ही मार्ग को सुरक्षित बनाकर यातायात बहाल कराया जाएगा।

# पुलिस मुठभेड़ में दो गोतस्कर गिरफ्तार, एक घायल अवैध असलहे बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस ने गोतस्करी की घटना का सफल अनावरण करते हुए मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस, गोतस्करी में प्रयुक्त उपकरण तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 8 मई 2026 को थाना नजीबाबाद क्षेत्र के कस्बा साहनपुर चौकी से करीब 200 मीटर दूर मुख्य मार्ग के किनारे झाड़ियों में दो गोवंशीय पशुओं के अवशेष पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर अवशेषों को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की थी।

पुलिस टीम घटना के खुलासे में जुटी थी। इसी दौरान 10 मई की रात चेकिंग के समय सूचना मिली कि

घटना में शामिल आरोपी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर सबलपुर डैम की ओर आने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने लगे, जिस पर पीछा किया गया।

बताया गया कि एक मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लग गई, जबकि दूसरे आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अल्लू उर्फ हलीम पुत्र अल्लू निवासी ग्राम दहीपुर थाना नांगल जनपद बिजनौर तथा मोनू पुत्र अब्दुल अजीज निवासी दहीपुर थाना नांगल के रूप में हुई है। फरार आरोपियों की पहचान मोहम्मद फुरकान पुत्र कासिम निवासी दहीपुर थाना नांगल तथा मोहम्मद असगर निवासी ग्राम मुबारकपुर थाना मंडावली जनपद बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे 315 बोर, दो खोखा कारतूस, पांच जिंदा कारतूस, गोतस्करी में प्रयुक्त उपकरण और एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर गोवंशीय पशुओं को पकड़कर जंगल में ले जाते थे और उनका वध कर मांस आसपास के क्षेत्रों में बेचते थे।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम, आर्म्स एक्ट तथा बीएनएस की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

# युवक हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त बाइक भी सीज

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना पुलिस ने ग्राम जुलैला निवासी युवक गुलशन की हत्या के मामले में वांछित एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मामले में पहले ही तीन आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है।

पुलिस के अनुसार, 30 अप्रैल 2026 को ग्राम जुलैला निवासी नृपेन्द्र सिंह ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव रहटोली निवासी पंकज कुमार, अतर सिंह, राहुल सैनी, अर्जुन सिंह समेत 10 से 15 अज्ञात लोगों ने एक राय

होकर उनके पुत्र गुलशन की हत्या कर दी। तहरीर के आधार पर थाना स्योहारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

विवेचना के दौरान पुलिस के सामने पुष्पेन्द्र कुमार, रजनीश और संजय कुमार के नाम भी प्रकाश में आए। पुलिस ने मामले में मिले साक्ष्यों के आधार पर बीएनएस की अन्य धाराएं भी बढ़ाई थीं। इससे पहले पुलिस अतर सिंह, पुष्पेन्द्र कुमार और रजनीश को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

शनिवार को थाना स्योहारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी संजय कुमार पुत्र वेदप्रकाश निवासी ग्राम रहटोली को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल नंबर यूपी 20 सीजेड 0521 को भी कब्जे में लेकर धारा 207 एमवी एक्ट के तहत चालान किया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है और शेष आरोपियों की तलाश भी की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शिवा नैन, उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार, कांस्टेबल कुलदीप और कांस्टेबल सन्नी शामिल रहे।

# बिजनौर जेल में बंदी की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जजी चौराहे पर लगाया जाम

बिजनौर (सब का सपना):- जिला कारागार बिजनौर में बंद एक कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। मृतक की पहचान दीपक पुत्र चंद्रपाल निवासी ग्राम पृथ्वीपुर के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस और जजी चौराहे पर प्रदर्शन करते हुए जेल प्रशासन पर हत्या का आरोप लगाया।

जानकारी के अनुसार दीपक 18 फरवरी 2025 से लूट के एक मामले में जिला जेल में बंद था। जेल प्रशासन के मुताबिक बंदी ने जेल परिसर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि उसका शव पेड़ से लटका मिला। हालांकि परिजन इस दावे को मानने को तैयार नहीं हैं और उन्होंने जेल के अंदर हत्या किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है।

घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों की संख्या में परिजन और ग्रामीण पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए, जहां उन्होंने जमकर हंगामा किया। बाद में गुस्साए लोगों ने शहर कोतवाली क्षेत्र के जजी चौराहे पर जाम लगा दिया। जाम के चलते यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और कई वाहन फंस गए। इस दौरान बरेली आईजी की गाड़ी भी जाम में फंस गई।

मौके पर पहुंचे एसपी सिटी और शहर कोतवाल ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। फिलहाल पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुटे हुए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद जिला जेल प्रशासन भी सवालों के घेरे में आ गया है।

# बच्चों की कहासुनी ने लिया खूनी संघर्ष का रूप, घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- बहजोई नगर की यादव कॉलोनी में बच्चों के बीच हुई मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुए विवाद में जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को पहले स्थानीय स्तर पर उपचार दिलाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर चिकित्सकों ने उसे मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए परिजन मुख्यालय पहुंच गए और नेशनल हाईवे जाम करने का

प्रयास किया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया और काफी समझाने-बुझाने के बाद लोगों को शांत कराया।

बताया जा रहा है कि विवाद बच्चों की कहासुनी से शुरू हुआ था, जिसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया और कई लोग घायल हो गए। इसी दौरान एक महिला को गंभीर चोटें आईं।

पुलिस ने मारपीट के मामले में पहले ही आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुछ लोगों को जेल भेज दिया था। अब महिला की मौत के बाद पुलिस ने मुकदमे में हत्या समेत अन्य गंभीर धाराएं बढ़ाते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि उन्होंने किसी को गंभीर चोट नहीं पहुंचाई और महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# गजरौला थाना परिसर में समाधान दिवस का आयोजन

## तहसीलदार और थाना प्रभारी ने सुनीं जनता की समस्याएं

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना परिसर में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में कुल 6 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष तीन के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

बता दें कि इस समाधान दिवस में धनौरा के तहसीलदार राजपाल सिंह और गजरौला के थाना प्रभारी मनोज कुमार ने जनता की समस्याओं को

सुना। लोग अपनी शिकायतें लेकर उनके समक्ष पहुंचे थे।थाना प्रभारी मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि दर्ज की गई 6 शिकायतों में से तीन का तत्काल प्रभाव से निस्तारण कर दिया गया है।अन्य तीन समस्याओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं ताकि उनका भी समयबद्ध तरीके से जल्द समाधान किया जा सके। थाना प्रभारी ने क्षेत्रवासियों से पुलिस से संबंधित किसी भी समस्या के लिए तत्काल संपर्क करने का आग्रह किया।

# व्यापारी सुरक्षा फोरम नगर कमेटी की हाई प्रोफाइल मीटिंग

बुलंदशहर (सब का सपना):- व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान बुलंदशहर के नगर अध्यक्ष प्रियतम प्रेम उर्फ प्रीतम भैया की अध्यक्षता में नगर कोर कमेटी की एक उच्च स्तरीय बैठक मालवीय मार्ग स्थित जिला उपाध्यक्ष हरीश अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर हुई।

इस मीटिंग में जिला मीडिया प्रभारी युगल गोस्वामी ने व्यापारी सुरक्षा फोरम की नगर टीम को मजबूती प्रदान करने के लिए उपस्थित

पदाधिकारियो से गहन विचार विमर्श

हुआ कि महीने में दो बार नगर के अलग-अलग बाजारों में मीटिंग आयोजित करके व्यापारियों को जागरूक किया जाएगा और संगठन में नए ऊजार्वान व्यापारियों को जोड़ा जाएगा। मीटिंग में नगर वरिष्ठ महामंत्री योगेश पिल्ले, मालवीय मार्ग अध्यक्ष पंकज शर्मा, महामंत्री नीरज बंसल, प्रियांशु अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष हरीश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष प्रियतम प्रेम, जिला मीडिया प्रभारी युगल गोस्वामी उपस्थित रहे।

किया, जिसमें सर्व समिति से निर्णय

# महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

बुलंदशहर (सब का सपना):- कुर्ली से भटोना, गुलावठी होते हुए सिरोधन तक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ फीता काटकर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक लक्ष्मीराज सिंह व जिला पंचायत सहयोगी आयुष्मान ठाकुर जी द्वारा किया गया।

इस भव्य आयोजन में युवा समाजसेवी एवं आयोजक सचिन राजपूत की विशेष भूमिका रही।

सचिन राजपूत ने पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को संभालते हुए युवाओं

को एकजुट करने का कार्य किया, जिसके चलते पूरे क्षेत्र में कार्यक्रम को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। उनके नेतृत्व में शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में सचिन राणा एवं आशु राणा ने भी आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया ओर आयोजक रहे । शोभायात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं, समाज के गणमान्य लोगों एवं क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

# महाराणा प्रताप की जयंती पर सपा कार्यालय में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय, बुलन्दशहर पर शुक्रवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्णपाल यादव ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि स्वाभिमान, स्वतंत्रता और न्याय के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने मुगलों के अत्याचार के सामने कभी घुटने नहीं टेके और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। हल्दीघाटी के युद्ध में

उनका साहस, वीरता और संघर्ष आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप की जीवनगाथा हमें यह संदेश देती है कि कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प

और आत्मसम्मान के बल पर विजय प्राप्त की जा सकती है। उनके आदर्शों पर चलकर समाज और देश की सेवा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश गुर्जर, हाजी अख्तर, पूर्व विधायक मुकेश शर्मा, विनीत राणा, प्रेमवीर यादव, मुकेश यादव, अर्जुन सिंह, चौधरी चन्द्रपाल सिंह, विवेक गौतम, अमित त्यागी, जुगेन्द्र पोशवाल, चौधरी विद्या सिंह, हेमन्त राघव, सुरेश चन्द्र पाल, सतीश गौतम, रघुराज प्रताप जाटव, हामिद अली एडवोकेट, राजकुमार बघेल, भूपेन्द्र चौधरी, हरेन्द्र सिंह, अजय कुमार, लविन सिंह भाटी, लकी पंडित, भूपेन्द्र, मोहम्मद रियाज, शमशाद खान, मोहम्मद तनवीर, मन्नू चौधरी, प्रमोद कुमार सिंह, रफीकुद्दीन पहलवान, आसिफ जमाली, सोनू शर्मा, आदिल सैफी, वेद प्रकाश, मोहम्मद खालिद, लियाकत अली एवं नवाब शाह जलाली सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# आजाद पब्लिक स्कूल में मदर्स डे का भव्य आयोजन किया गया

बुलंदशहर (सब का सपना):- आजाद पब्लिक स्कूल के प्रांगण में मातृ दिवस मदर्स डे अत्यंत उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों ने मनमोहक नृत्य कविता पाठ और गीतों के माध्यम से अपनी माताओ के प्रति प्रेम एवं सम्मान व्यक्त किया। बच्चों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी अभिभावकों का मन मोह लिया कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व प्रेम त्याग और स्नेह को सम्मान देना था।

विद्यालय प्रशासन द्वारा माता के लिए

कुछ मनोरंजन खेल एवं प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया।विद्यालय की वाइस प्रेसिडेंट ईशा आजाद और प्रधानाचार्य शिल्पी सिंह ने इस अवसर पर कहा कि माही बच्चों की पहली गुरु होती है और उनके निस्वार्थ प्रेम की कोई तुलना नहीं की जा सकती, कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। सभी बातों ने विद्यालय को इस अनूठी पहल की सहारा ना की और बच्चों के साथ बिताए इन यादवों के पलों के लिए आभार व्यक्त किया।

# मदर्स डे के अवसर पर स्कूल मे हुए सॉस्कृतिक कार्यक्रम

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के डिबाई के मण्डी हरदेव में लर्निंग विंग्स प्ले स्कूल में मदर्स डे का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सभी माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया। विद्यालय परिसर खुशी, उत्साह एवं सम्मान के माहौल से गूंज उठा।

विद्यालय के डायरेक्टर सौरभ गोयल ने बताया कि मदर्स डे कार्यक्रम में

सभी माताओं ने खूब आनंद लिया

और कार्यक्रम को बेहद सराहा। उन्होंने कहा कि मां हमारे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा होती हैं और उनके सम्मान में आयोजित यह कार्यक्रम सभी के लिए यादगार रहा।इस अवसर पर नीलम गोयल ने सभी माताओं को प्रमाण पत्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। माताओं ने विद्यालय परिवार द्वारा किए गए इस सम्मान के लिए खुशी व्यक्त की तथा कार्यक्रम की सराहना की।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का धन्यवाद व्यक्त किया गया।

# महाराणा प्रताप जयंती पर अमर सिंह महा-विद्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- अमर सिंह महाविद्यालय, लखावटी में शनिवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर विचार गोष्ठी एवं क्रांति पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रहित में किए गए संघर्षों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने किया। डॉ. रामजी द्विवेदी ने हल्दीघाटी युद्ध में महाराणा प्रताप और उनके अश्व चेतक की

वीरता का उल्लेख करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने

संघर्ष जारी रखा। डॉ. मनीष मिश्रा ने महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व एवं आदर्शों को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

इस अवसर पर 10 मई 1857 की क्रांति की स्मृति में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें छात्रा वंशिका शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्रा को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. दुष्यंत कुमार शर्मा, ध्रुव कुमार, अभय कुमार श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र मलिक, रोहतास सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

# बहापुर में किसानों के समर्थन में जा रहे सपा जिलाध्यक्ष मतलूब अली गिरफ्तार

बी.बी. नगर/बुलन्दशहर (सब का सपना):- बहापुर में किसानों की जमीन से जुड़े मुद्दों को लेकर चल रहे धरना-प्रदर्शन के बीच रविवार को राजनीतिक माहौल गरमा गया। किसानों की समस्याओं को सुनने एवं उनके समर्थन में धरना स्थल पर पहुंच रहे समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को पुलिस प्रशासन ने रास्ते में रोक दिया। समाजवादी पार्टी के जिला सचिव एवं जिला मीडिया प्रभारी लोधी चरण सिंह राजपूत ने आरोप लगाते हुए बताया कि पार्टी के जिलाध्यक्ष मतलूब अली को गांव हिम्मतपुर में पुलिस प्रशासन द्वारा

जबरन गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश सरकार के इशारे पर की गई

है, जो लोकतंत्र की हत्या के समान है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आवाज दबाना चाहती है और गरीब किसानों की जमीन हड़पने की दमनकारी नीति अपना रही है। सपा नेताओं को किसानों से मिलने तक नहीं दिया जा रहा, जिससे सरकार की मंशा साफ दिखाई देती है।

समाजवादी पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह किसानों के साथ किसी भी प्रकार का विश्वासघात नहीं होने देगी और किसानों के अधिकारों की लड़ाई लगातार जारी रखेगी। पार्टी पदाधिकारियों ने प्रशासनिक कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले नेताओं और किसानों को रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक है।

# एन. आर. ग्लोबल स्कूल में मातृ दिवस का किया गया भव्य आयोजन

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- एन. आर. ग्लोबल स्कूल में *मातृ दिवस बड़े हर्ष, उत्साह एवं भावनात्मक वातावरण के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर किंडरगार्टन के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में सुसज्जित होकर मनमोहक नृत्य एवं अभिनय प्रस्तुत किए और अपनी माताओं के असीम प्रेम, त्याग एवं समर्पण को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली भाषण एवं नाटक (स्किट) के माध्यम से समाज में माताओं के

अथक प्रयासों, उनके योगदान तथा हमारे जीवन में उनके महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने का सशक्त संदेश

दिया। कार्यक्रम ने एक सुंदर सामाजिक संदेश देते हुए माताओं के प्रति सम्मान, कृतज्ञता एवं स्नेह को प्रकट किया। इस सफल आयोजन के पीछे शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। संतोष मैम, सोनिका मैम, खुशबू मैम, दीक्षा मैम, तनु मैम, तान्या मैम, स्नेहा मैम, रुचि मैम, रश्मि मैम एवं हिना मैम ने विद्यार्थियों को कुशल मार्गदर्शन देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. आरती चपराना एवं निदेशक डॉ. विनय कुमार ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके समर्पण और उत्कृष्ट प्रस्तुति की प्रशंसा की।

# माता चामुंडा देवी मंदिर पर किया गया विशाल भंडारे का आयोजन

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- माता चामुंडा देवी के मंदिर परिसर में एक विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में उमड़े श्रद्धालुओं के सैलाब ने क्षेत्र को भक्तिमय कर दिया। रविवार सुबह से ही माता चामुंडा देवी वैरा फिरोजपुर के मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। विशेष आरती और हवन के पश्चात भंडारे का शुभारंभ हुआ। इस दौरान गाँव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुँचकर माता का

आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया और पूरा वातावरण "जय

माता दी" के जयकारों से गुंजायमान रहा। भंडारे के दौरान सभी श्रद्धालुओं ने बड़े ही अनुशासित ढंग से और सेवा भाव के साथ प्रसाद वितरण में अपना योगदान दिया। आयोजन समिति के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों ने आए हुए प्रत्येक आगंतुक की सेवा कर इस आयोजन को सफल बनाया। माता रानी के इस भंडारे मे नरेश लोधी ने पहुँच कर प्रोग्राम की शोभा बढ़ाई। इस धार्मिक कार्यक्रम में क्षेत्र की सम्मानित हस्तियों ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जिन सभी लोगो को आयोजन समिति द्वारा माला पहनाकर और माता की चुनरी भेंट कर जोरदार स्वागत किया गया

# कृष्णा सर्किट के जरिए पर्यटन एवं विकास के नक्शे पर चमकेगी श्रृंखला

बुलंदशहर। जिले में गंगा तटीय धार्मिक स्थलों के दर्शन के साथ मोक्षदायिनी गंगा में स्नान कर पुण्य अर्जित होता है। महाभारतकालीन ऐतिहासिक एवं पौराणिक धार्मिक स्थलों की श्रृंखला को कृष्णा सर्किट के जरिए पर्यटन एवं विकास से नई पहचान मिलेगी। वृहद परियोजना के तहत पर्यटन विभाग ने कवायद शुरू कर दी है। श्रृंखला पर्यटन एवं विकास की नक्शे पर चमकेगी। पर्यटकों को सुविधाओं के साथ रोजगार की नई राह खुलेगी। जिले की स्याना, अनूपशहर और डिबाई तहसील क्षेत्र से 65 किलोमीटर क्षेत्र में गंगा किनारे महाभारतकालीन ऐतिहासिक एवं पौराणिक धार्मिक स्थलों की श्रृंखला है। श्रृंखला आस्था के साथ पर्यटन की अपार संभावनाओं को सदियों से समेटे है। श्रृंखला को पर्यटन एवं विकास के नक्शे पर लाने को दैनिक जागरण ने अर्वतिका कारिडोर अभियान चलाया था। जिससे श्रृंखला में सड़कों पर 100 करोड़ रुपये और धार्मिक

स्थलों के पर्यटन विकास पर लगभग 20 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च हो चुकी है। श्रृंखला में पहुंच के लिए सड़कों का जाल बिछ चुका है। गंगा एक्सप्रेस-वे से सफर करने वाले भी श्रृंखला में दर्शन कर मेरठ और प्रयागराज अपने गंतव्य को निकल सकते हैं।पर्यटन विभाग अब वृहद कार्ययोजना के तहत श्रृंखला के विकास को लेकर कदम बढ़ा रहा हैं। श्रृंखला में भगवान श्री कृष्ण का रुक्मिणी के साथ विवाह संस्कार की गाथा सिमटी हुई है। भगवान श्री कृष्ण

ने माता अर्वतिका देवी मंदिर पर रूक्मिणी के साथ विवाह किया था। भगवान श्री कृष्ण के विवाह संस्कार के नाम पर 12 से अधिक गांव बसे हैं। पलटा हुआ अहार आज भी बलराम और माता रुक्मिणी के भाई रूकन के बीच युद्ध का साक्षी है। पर्यटन विभाग ने जिला प्रशासन से प्रस्ताव मांगा है। प्रस्ताव मिलते ही पर्यटन विभाग कृष्णा सर्किट की कवायद शुरू कर देगा। हस्तिनापुर व बुलंदशहर तथा मथुरा को जोड़ नया पर्यटन गलियारा विकसित कर

पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है। अहार क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण के विवाह संस्कार पर बसे गांव मान्यता है कि राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी माता अर्वतिका देवी की आराधना करने सुरंग से होकर पहुंचती थी। मंदिर के निकट कुंड में स्नान करने के बाद माता की आराधना करती थी। इस कुंड का पानी कभी नहीं सूखता है। रुक्मिणी ने श्री कृष्ण को अपना वर चुन लिया था। श्री कृष्ण से माता अंवतिका देवी मंदिर से रुक्मिणी का हरण का विवाह किया था। अहार के निकट जिस स्थान पर श्री कृष्ण का मोहर मोर पंखों से तैयार हुआ वह जगह आज सिहालीनगर है। जिस स्थान पर श्री कृष्ण को मोहर (मोर पंख) बांधा गया था। उसे आज मोहरसा के नाम से जाना जाता है। जहां श्री कृष्ण ने दरबार लगाया वह दरबार हो गया। श्री कृष्ण की बारात के भोजन के लिए मिट्टी खोदी गई वह खंदोई और जहां मिट्टी के बर्तना बनाए गए वह नगलामदारीपुर है।

# बुलंदशहर में गमगीन माहौल में जली दो चिता, दंपती व तीनों बच्चों का हुआ अंतिम संस्कार

बुलंदशहर। वैष्णो देवी के दर्शन कर लौटे उत्तम, पत्नी उर्मिला व तीन मासूम बच्चों की सड़क हादसे में मौत से गांव धमैड़ा कीरत में हर शख्स की आंखों में आंसू साफ नजर आ रहे थे। पोस्टमार्टम के बाद जब पांच शव गांव पहुंचे, तो पूरे गांव गम में डूबा था। अंतिम यात्रा मे गांव के अलावा आसपास के गांवों के ग्रामीण शामिल हुए। दो चिता पर पांचों का अंतिम संस्कार किया गया। एक चिता पर मां के साथ दो बेटी व दूसरी चिता पर पिता के साथ बेटे का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी।

साथ ही पुलिस फोर्स मौजूद रही। कोतवाली देहात की ठंडी प्याऊ पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव धमरावली के पास अलीगढ़-गाजियाबाद नेशनल हाईवे संख्या 34 पर शुक्रवार को ट्रक की टक्कर से बाइक सवार धमैड़ा कीरत गांव निवासी उत्तम सिंह, पत्नी उर्मिला, पुत्र निशांत, पुत्री दिशा और अनायरा की मौत हो गई थी।हादसे के दौरान पांचों एक ही बाइक पर सवार होकर खुर्जा से बुलंदशहर थाना कोतवाली नगर के गांव धमैड़ा कीरत स्थित अपने घर वापस आ रहे थे। पुलिस ने मृतकों की जेब से बरामद आधार कार्ड के

आधार पर पहचान कर मामले की सूचना उनके स्वजन को देकर शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित मर्चरी भेजे थे। शनिवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शवों को उनके स्वजन के सुपुर्द कर दिया। शवों के गांव में पहुंचते ही धमैड़ा कीरत गांव के अलावा आसपास गांवों के ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। वहां पर पैर रखने की जगह नहीं थी, महिलाएं, युवक, युवतियां एवं ग्रामीण तेज धूप व भीषण गर्मी में मकानों की छत पर बैठी रो रही थी। वहां पर मौजूद मृतकों के स्वजन, रिश्तेदार एवं सभी ग्रामीणों की आंखें नम थी। युवाओं से लेकर वृद्ध तक दंपती और बच्चों को याद कर विलाप करते दिखाई दिए। उत्तम की मां वीरवती और पिता महीपाल सिंह रोते हुए कई बार बेहोश हो गए। शव यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण अंतिम दर्शन करने को उमड़े थे। दो अर्थियां पर पांच शवों की यात्रा देखकर प्रत्येक ग्रामीण की आंखें नम थी। उर्मिला की अर्थी पर उनकी दोनों बेटी दिशा और अनायरा के शव थे और उत्तम की अर्थी पर उनके पुत्र निशांत का शव था। गांव के श्मशान घाट में एक साथ दो चिताएं बनाई गई।

# रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

# आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

## किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योंकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारात्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योंकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

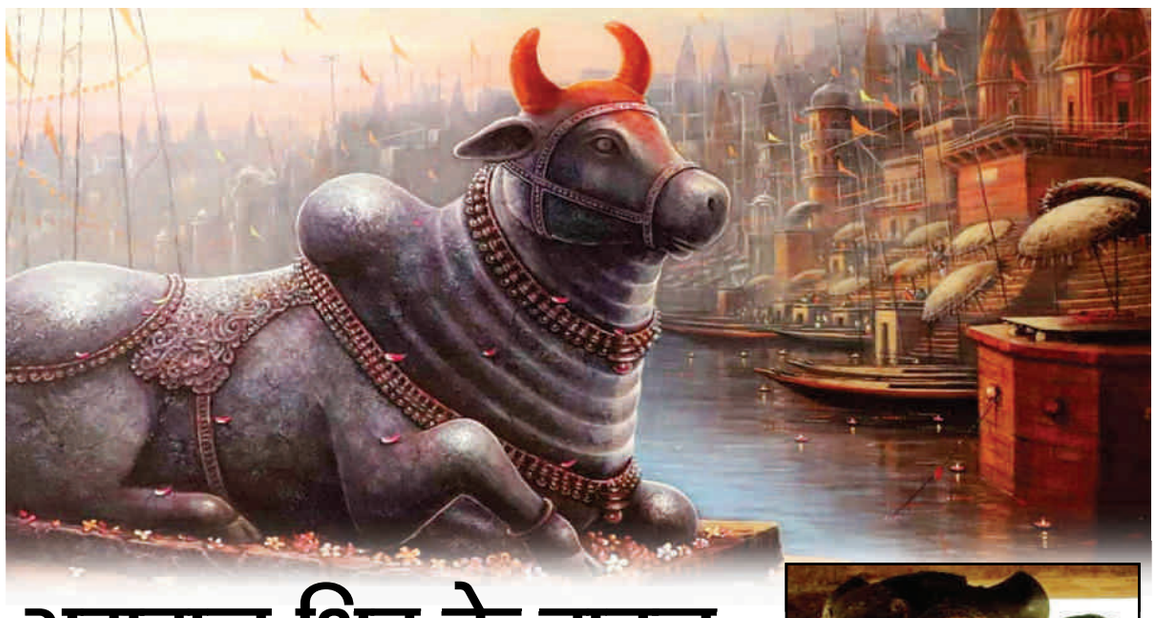

# भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।

भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित

शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

# शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

**शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।**

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

### साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

# हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

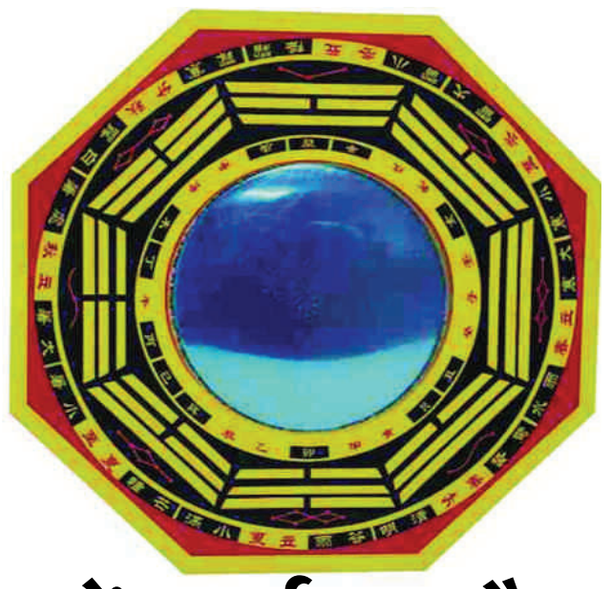

# फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

**फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।**

### वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

### प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

### मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

### दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

### घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

### ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

### रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

### साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

### ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

### रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

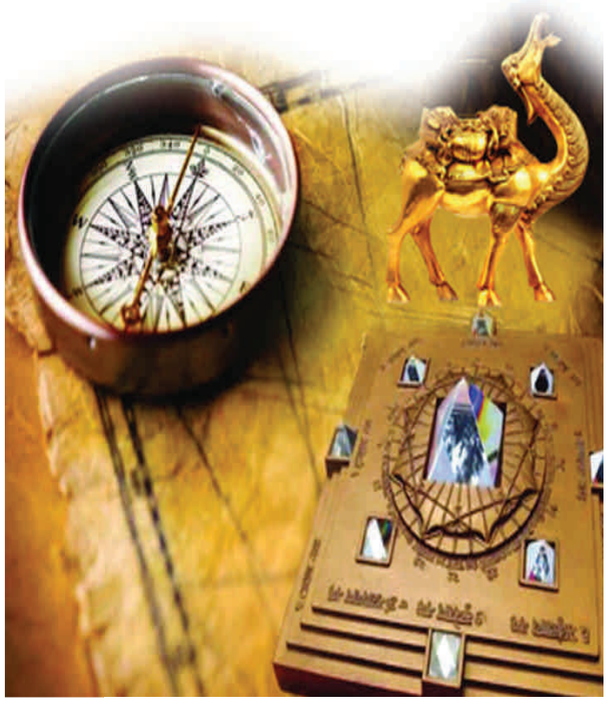

8 सब का सपना हिंदी दैनिक

मनोरंजन

अमरोहा
सोमवार 11 मई 2026
www.sabkasapna.com

## सामंथा रुथ प्रभु की 'मां इंटी बंगारम' की आगे खिसकी रिलीज डेट

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। यह फिल्म नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर है। इस फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इस फिल्म को 15 मई 2026 को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब रिलीज टाल दी गई है। फिल्म अब जून में रिलीज होगी।

### 'मां इंटी बंगारम' की नई रिलीज डेट

मीडिया रिपोरट्स के अनुसार, फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की टीम 19 जून 2026 को इसे रिलीज करने की योजना बना रही है। हालांकि, अभी तक निर्माताओं ने इस तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

### क्या है देरी का कारण

सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के निर्माताओं ने IPL 2026 के चल रहे सीजन की वजह से रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है। उनका मानना है कि क्रिकेट मैचों के कारण सिनेमाघरों में दर्शक कम आएंगे और फिल्म का कलेक्शन प्रभावित हो सकता है। पहले 4 जून की तारीख पर भी चर्चा थी, लेकिन राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' भी उसी दिन रिलीज होने वाली है, इसलिए टीम ने 19 जून चुना है। फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के बारे में 'मां इंटी बंगारम' सामंथा और नंदिनी रेड्डी की 'ओह बेबी' के बाद दूसरी फिल्म है। यह एक कॉमेडी-एक्शन फैमिली ड्रामा है। इसमें सामंथा एक गृहिणी के साथ-साथ मजबूत योद्धा की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में दिगंत, गुलशन देवैया, श्रीमुखी, गौतमी और बाकी कलाकार भी हैं।

### सामंथा का वर्कफ्रंट

सामंथा को आखिरी बार 'शुभम' फिल्म में कैमियो रोल में देखा गया था। 'मां इंटी बंगारम' के अलावा सामंथा जल्द ही वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड: द ब्लडी किंगडम' में भी नजर आएंगी, जिसमें आदित्य रॉय कपूर, अली फजल और वामिका गब्बी भी हैं। फिल्म का प्रमोशन पहले ही शुरू हो चुका है।

## 45 साल की उम्र में एक्टिंग डेब्यू करने पर क्या बोलीं रिद्धिमा कपूर?

45 साल की रिद्धिमा कपूर साहनी, जो ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बेटी हैं, अब अपनी पहली फिल्म 'दादी की शादी' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। खास बात यह है कि कपूर फैमिली में इतनी उम्र में डेब्यू करने वाली वह सबसे बड़ी सदस्य बन गई हैं। यह डेब्यू उनके लिए काफी इमोशनल है, क्योंकि इस फिल्म में वह पहली बार अपनी बेटी समारा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं।

कुछ नया शुरू करना सबसे बड़ा चैलेंज था स्क्रीन को दिए एक इंटरव्यू में रिद्धिमा ने बताया कि 45 साल की उम्र में पहली बार फिल्म के सेट पर कैमरे के सामने आना उनके लिए नया अनुभव था। उन्होंने अपनी बेटी समारा के छोटे से रोल के बारे में भी बात की। रिद्धिमा की शादी बिजनेसमैन भरत साहनी से हुई है और उनकी एक बेटी है। रिद्धिमा ने कहा, 'यह एहसास बहुत अलग और इमोशनल है। ऐसा लगता है जैसे जिंदगी का एक चक्र पूरा हो गया हो। मुझे पता है कि मेरे पापा हमेशा मेरे साथ हैं और हर फैसले में मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं। यह सोच मुझे बहुत हिम्मत और सुकून देती है। सच कहूं तो इस उम्र में कुछ नया शुरू करना सबसे बड़ा चैलेंज था। एक नई शुरुआत में थोड़ा डर भी होता है, लेकिन उतनी ही एक्साइटमेंट भी होती है।'

जब शूटिंग के दौरान बेटी को घर छोड़ा था रिद्धिमा ने यह भी बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्होंने पहली बार अपनी बेटी को घर पर अकेला छोड़ा था। साल 2019 में न्यूयॉर्क में ऋषि कपूर के कैंसर इलाज के बाद यह पहला मौका था जब उन्होंने ऐसा किया। इस फिल्म में एक खास पल भी देखने को मिलेगा, जहां रिद्धिमा अपनी मां नीतू कपूर और बेटी समारा के साथ 'सेंटी' गाने में नजर आएंगी। 'दादी की शादी' में नीतू कपूर और कपिल शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ सादिया खतीब और रिद्धिमा कपूर साहनी भी हैं। 'दादी की शादी' की कहानी एक ऐसे परिवार की है, जिसमें प्यार, हंसी-मजाक, कुछ नोक-झोंक और गहरे राज दिखाए गए हैं। इस फिल्म को आशीष आर. मोहन ने लिखा और निर्देशित किया है।

## 'लुक्खे' में दिखेगा पलक तिवारी का इमोशनल अवतार

अभिनेत्री पलक तिवारी वेब सीरीज 'लुक्खे' के जरिए ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म चंडीगढ़ की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज रैप कल्चर, स्ट्रीट राइवलरी और बदले की कहानी है। इस सीरीज में पलक ने सनोबर नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है, जो म्यूजिक और हाई-स्टेक्स वाली दुनिया में अपनी कमजोरियों, प्यार और अंदरूनी संघर्षों से लड़ती नजर आएगी। अपने किरदार को अभिनेत्री का कहना है कि सनोबर काफी भावनात्मक और एक्सप्रेसिव है। पलक को एक्टिंग विरासत में मिली है। उनकी मां श्वेता तिवारी टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अदाकारा हैं। दिग्गज अभिनेत्री की बेटी होने के नाते पलक पर हमेशा उम्मीदों का दबाव रहता है। इस बारे में पलक का कहना है, 'बेशक, मेरी मां के शानदार अभिनय की वजह से थोड़ा प्रेशर होता है, लेकिन मेरी नजर में वह सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं।' सीरीज में सनोबर के किरदार को अभिनेत्री पलक तिवारी अपनी मां के मशहूर किरदार 'प्रेरणा' (कसौटी जिंदगी की) के लिए एक ट्रिब्यूट मानती हैं। अभिनेत्री का कहना है कि प्रेरणा की तरह सनोबर भी बहुत इमोशनल है और अपने दिल की बात खुलकर कहती है। मुझे लगता है कि सनोबर ही असल मायने में प्रेरणा की बेटी की तरह है। पलक ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान श्वेता ने उन्हें कुछ टिप्स दिए थे। पलक ने बताया कि उनकी मां हमेशा कहती हैं, 'अगर तुम दर्शकों को रुला सकीं, तो समझो तुम एक सफल एक्टर हो। इसके अलावा, मां ने मुझे एक बड़ी सीख दी कि हर सीन को जीतने की कोशिश मत करो।' पलक ने बताया कि उनकी मां का मानना है कि हर सीन का अपना एक हीरो होता है। कभी आपको चमकना चाहिए और कभी अपने साथी कलाकार को मौका देना चाहिए। विपुल डी. शाह और राजेश बहल द्वारा निर्मित सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है।

## इस साल दो फिल्मों में नजर आएंगी प्रीति जिंटा

प्रीति जिंटा फिल्मी दुनिया से ज्यादा क्रिकेट वर्ल्ड में एक्टिव हैं। वह आईपीएल में पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम की मालकिन हैं। अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए इन दिनों भी वह आईपीएल में अक्सर नजर आती हैं। हाल ही में फैंस से भी सोशल मीडिया के जरिए प्रीति जिंटा रूबरू हुईं। उन्होंने फैंस को सवाल बेबाकी से पूछने के लिए कहा और मजेदार जवाब भी दिए। इन दौरान प्रीति जिंटा ने अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में बताया, साथ अपने फेवरेट एक्टर का जिक्र भी किया।

प्रीति जिंटा से फैन ने पूछा कि उन्हें क्रिकेट और फिल्मों में से किसी एक को चुनना पड़ा तो वह किसका चुनाव करेंगी। इस पर प्रीति जवाब देती हैं, 'मैंने 18 साल पहले क्रिकेट को चुना था। इस साल दो फिल्मों में नजर आऊंगी। मैं सनी देओल के साथ एक फिल्म कर रही हूं। यह 13 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।'

## 'ताल-2' के लिए दर्शकों को कुछ नया चाहिए

निर्देशक सुभाष घई जल्द ही दर्शकों के लिए अपनी म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'ताल' का सीक्वल लेकर आ रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने फिल्म को लेकर चल रही कुछ अफवाहों पर विराम लगाया। गुरुवार को निर्देशक ने इंस्टाग्राम के जरिए अपने प्रशंसकों को बताया कि वे 'ताल' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'ओल्ड और सीनियर में फर्क होता है। 'ताल' की ऑरिजिनल कास्ट के सभी कलाकार ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर आज भी एक्टिव सुपरस्टार और मेरे अजीज मित्र हैं, लेकिन 'ताल-2' के लिए दर्शकों को कुछ नया चाहिए, जिसमें नई कहानी, नए चेहरे और एक भव्य म्यूजिकल अंदाज। यह कोई सीधा सीक्वल नहीं है।' उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'हम आज के समय का एक म्यूजिकल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें मजबूत स्क्रिप्ट, सही कास्टिंग, शानदार म्यूजिक और बेहतरीन प्रोडक्शन के साथ बिल्कुल नए चेहरे होंगे, जिन्हें पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा गया। उम्मीद है हम इस कोशिश में सफल होंगे।'

1999 में रिलीज हुई फिल्म 'ताल' सुभाष घई द्वारा निर्देशित एक ब्लॉकबस्टर हिंदी संगीतमय रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर मुख्य भूमिकाओं में दिखे। तीनों मुख्य कलाकारों की भूमिकाओं के लिए दर्शकों की खूब सराहनी मिली थी। बताया जाता है कि इस म्यूजिकल ड्रामा में ऐश्वर्या राय बच्चन ने लगभग पूरी फिल्म बिना मेकअप के काम किया था, ताकि उनकी नेचुरल खूबसूरती और सादगी उभर कर आए। 'रमता जोगी' और 'ताल से ताल मिला' जैसे गानों में उनका डांस और अभिनय आज भी आइकॉनिक है। इस फिल्म का संगीत एआर रहमान ने तैयार किया था, जो उस समय काफी लोकप्रिय हुआ था। यहां तक कि आज भी इसके गाने पसंद किए जाते हैं।

## काजल अग्रवाल ने नयनतारा को रिप्लेस किया

**नंदमुरी बालकृष्ण और डायरेक्टर गोपीचंद मालिनेनी अब साथ मिलकर एक फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम फिलहाल NBK111 रखा गया है। इस फिल्म में नयनतारा को बतौर फीमेल लीड साइन किया गया था, पर अब खबर है कि वह अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और उनकी जगह काजल अग्रवाल ने ले ली है। बताया जा रहा है कि काजल ने नंदमुरी बालकृष्ण स्टारर इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है।**

रिपोर्ट के मुताबिक, नयनतारा अब नंदमुरी बालकृष्ण और गोपीचंद की फिल्म NBK111 का हिस्सा हिस्सा नहीं हैं और उनकी जगह किसी और को लिया गया है। काजल अग्रवाल ने नयनतारा को रिप्लेस कर दिया है। फिल्म की टीम के मुताबिक, काजल अग्रवाल इस रोल के लिए एकदम परफेक्ट हैं और नंदमुरी बालकृष्ण संग उनकी जो ड़ी एक नयापन लाएगी।

### इन 3 वजहों से नहीं बनी बात

अब सवाल ये है कि नयनतारा ने नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म क्यों छोड़ी? तो इसकी कुछ वजहें सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक तो नयनतारा ने इस फिल्म के लिए करीब 10 करोड़ रुपये फीस मांगी, और दूसरा ये कि मेकर्स को नयनतारा की डेट्स मैच करने में दिक्कत हो रही थी। तीसरी वजह यह बताई जा रही है कि नयनतारा किसी भी फिल्म के प्रमोशन में हिस्सा नहीं लेती हैं। वो किसी फिल्म को प्रमोट नहीं करतीं। इसी कारण मेकर्स को नयनतारा के साथ सामजस्य बिठाने में मुश्किलें आ रही थीं। इसलिए उन्होंने मूव ऑन करने का फैसला किया।

### काजल अग्रवाल एडजस्टमेंट के लिए तैयार

वहीं, काजल अग्रवाल NBK111 के लिए अपनी डेट्स एडजस्ट करने के लिए मान गई हैं। उनकी फीस भी फिल्म के हिसाब से है और वह प्रमोशन के लिए भी राजी हैं। मालूम को NBK111 के मेकर्स ने नयनतारा के बर्थडे पर इस फिल्म से उनके जुड़ने का ऐलान किया था। इसे एक मास एक्शन फिल्म बताया जा रहा है। मेकर्स ने कुछ एक्शन सीन्स के साथ फिल्म का अहम शेड्यूल शूट कर लिया है। अब फिल्म के टाइटल पर काम चल रहा है। ऐसी भी खबरें हैं कि इस फिल्म में एक और एक्ट्रेस नजर आएगी, जिसकी तलाश जारी है, पर अभी मेकर्स की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ भी कन्फर्म नहीं किया गया है।

### नयनतारा और काजल अग्रवाल की आने वाली फिल्में

नयनतारा की बात करें, तो वह अब सलमान खान के साथ दिल राजू की फिल्म में नजर आएंगी। हाल ही उन्होंने मुंबई में सलमान संग इस फिल्म का मुहूर्त शूट किया था। मेकर्स ने शूट का एक वीडियो भी शेयर किया था, जिसने फैंस को क्रेजी कर दिया था। वहीं, काजल अग्रवाल अब नितेश तिवारी की 'रामायणम' में भी नजर आएंगी। इसमें वह लंकापति रावण की पत्नी मंदोदरी के किरदार में नजर आएंगी।

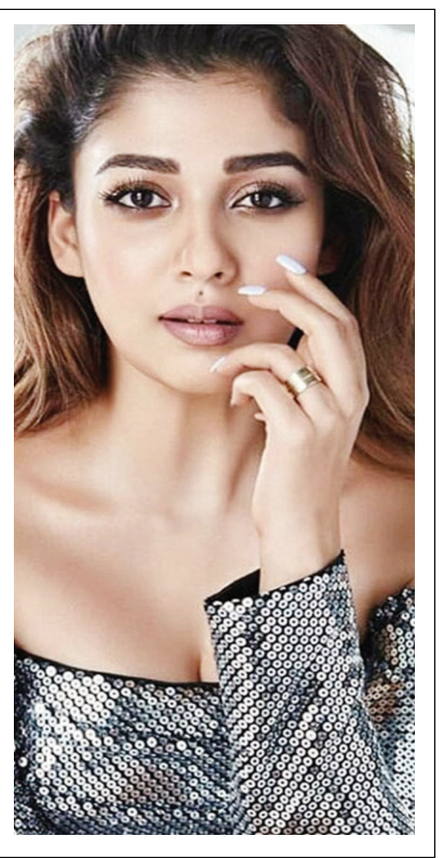

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।